सुविचार

निंदा से घबराकर
लक्ष्य को ना छोड़ें
क्योंकि
लक्ष्य मिलते ही
निंदा करने वालों की
राय बदल जाती है

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक :- नागेश नरवरिया

पेज -7

वर्ष 6, अंक 51 | भोपाल, शुक्रवार 28 मई 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

तुम आते हो सपने में

कवयित्री
वैशाली नारनवरे

तुम आते हो सपने में ,
एक पैगाम छोड़ जाते हो।
क्या लिखूं तुम्हारे लिए ,
तुम एक और ख्वाब जगा जाते हो।।

तुमसे दिल्लगी ख़तम नहीं होती,
तुम एक और गम दे जाते हो।।
तुम्हारी यादें आती है बार - बार,
तुम एक और याद दे जाते हो।।

गली - गली में ढूंढा है तुम्हे,
तुम अजनबी बनकर चले जाते हो।
तोड़ दू रिश्ता तुमसे ,
तुम फिर एक आस जगा जाते हो।।

तुमसे दिल नहीं भरता ,
तुम फिर मुझे पास बुलाते हो।
लाख भूलना चाहूं तुम्हे ,
तुम फिर याद आ जाते हो।।

कोरोना को इंडियन वैरियंट बताने पर घिरे कमलनाथ

बोले- नाथ ने देश की छवि धूमिल की है

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ भोपाल के भाजपा विधायकों ने रविवार को पुलिस से शिकायत की है। नाथ के वैश्विक महामारी को इंडियन कोरोना बताने वाले बयान को लेकर एएसपी राजेश सिंह भदौरिया से कमलनाथ के खिलाफ स्न्ढ्ढक्रकरने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने देश के सम्मान में चोट पहुंचाई है। ऐसा बयान देना राष्ट्र द्रोह के समान है। उनके कारण देश की छवि धूमिल हुई है। शिकायत करने वालों में मंत्री विश्वास सारंग, विधायक कृष्णा गौर, रामेश्वर शर्मा और पूर्व महापौर आलोक शर्मा समेत अन्य भाजपा नेता शामिल थे। उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने 21 मई को उज्जैन प्रवास के दौरान कहा था कि विदेशों में भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है।

फुटपाथों पर व्यापार करना भारतीय नागरिक का मूल अधिकार है या नहीं जानिए/Indian Constitution

अक्सर देखा जाता है कि शहरों में बहुत से लोग फुटपाथों पर अपनी जीविका चलाने के लिए छोटा मोटा व्यापार करते हैं, और अपना जीवन यापन करते हैं। कभी-कभी नगर पालिका या निगम के आदेश से उन्हें हटा दिया जाता है और वह कुछ नहीं कर सकते हैं। क्या उनको फुटपाथों पर व्यापार करने का भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार प्राप्त है जानिए।

जी हाँ। फेरीबालो या आम व्यक्ति को फुटपाथों पर व्यापार करने का मूल अधिकार प्राप्त है भारतीय संविधान,1950 के अनुच्छेद 19(1) (छ) के अधीन उनको फुटपाथ पर व्यवसाय करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

लेकिन कुछ शर्तो के अनुसार-

1.यही सड़क यातायात के अनुसार चौड़ी नहीं हो तब फुटपाथ पर व्यापार नहीं कर सकते हैं।

2.किसी व्यक्ति का कोई अनैतिक व्यापार अनुच्छेद 19(6)के अनुसार करता है, जैसे- खतरनाक वस्तु का व्यापार, विषयुक्त दवाइयां,शस्त्र,मिलावट वाले खाद्य पदार्थ, या आम जनता के स्वस्थ को हानि पहुचाने वाली सामग्री आदि का व्यापार फुटपाथों पर करता है तो उस पर राज्य रोक लगा सकता है।

(लेकिन फेरीबलो को अस्पताल के नजदीक या जहाँ सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है व्यापार करनें से मना नहीं किया जा सकता है।)

महत्वपूर्ण वाद- सोदन सिंह बनाम न्यू दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी-

उच्चतम न्यायालय के 5 न्यायाधीशों की पूर्णपीठ ने यह अभिनिर्धारित किया है कि सड़क के फुटपाथों पर व्यापार करना अनुच्छेद 19(1) (छ) के अधीन एक मूल अधिकार है उस पर केवल अनुच्छेद 19(6) के अधीन रोक लगाए जा सकते हैं। न्यायालय ने ये भी कहा है कि अगर सड़के चौड़ी हो तो वहाँ पर नागरिक फुटपाथों पर व्यापार कर सकते हैं।

■ **बी. आर. अहिरवार (पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665**

साइक्लोन यास पर हाईलेवल मीटिंग

बोले- हाई रिस्क वाले इलाकों से लोगों को शिफ्ट करने का इंतजाम करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात की तैयारियों के मद्देनजर नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स समेत 14 विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। तूफान ताऊ ते के बाद अब देश पर अब चक्रवात यास का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने इसके बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका जताई है। यह 26 मई को ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों से टकरा सकता है।

इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स समेत 14 विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने तूफान से निपटने की तैयारियों का रिव्यू किया। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि राज्यों के साथ बेहतर समन्वय के साथ काम किया जाए और हाई रिस्क वाले इलाकों से लोगों को सही-सलामत निकालने के इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि तूफान की वजह से पावर और कम्यूनिकेशन आउटेज की समय-सीमा कैसे कम से कम की जाए, इस पर काम किया जाए। इसे जल्द से जल्द बहाल करने की व्यवस्था पर काम किया जाए। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से राज्य सरकारों के साथ उचित समन्वय और प्लानिंग सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि अस्पतालों में कोविड के उपचार और टीकाकरण में किसी भी तरह की रुकावट न आए। उन्होंने कहा कि चक्रवात के दौरान क्या करें और क्या न करें के बारे में सलाह और निर्देश प्रभावित जिलों के नागरिकों को समझने में आसान और स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराए जाएं। मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और पुडुचेरी के चीफ सेक्रेटरी और अफसरों ने मीटिंग में हिस्सा लिया। मीटिंग में रेलवे बोर्ड चेयरमैन, एनडीएमए मेंबर सेक्रेटरी, आईडीएफ चीफ के साथ गृह, पावर, शिपिंग, टेलिकॉम, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, सिविल एविएशन और फिशरीज मंत्रालय के सेक्रेटरी भी मौजूद रहे। बैठक में कोस्ट गार्ड, एनडीआरएफ और आईएमडी के डीजी भी शामिल हुए। तूफान को लेकर पहले से ही आंध्र प्रदेश, ओडीशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इसका सबसे ज्यादा असर बंगाल और ओडिशा पर पड़ेगा। अंडमान और निकोबार और पूर्वी तट के कुछ इलाकों में तेज बारिश होने की संभावना है। इससे बाढ़ का खतरा भी बन सकता है। कोस्ट गार्ड, डिजास्टर रिलिफ टीम , इन्फ्लेटेबल बोट, लाइफबॉय और लाइफजैकेट, इसके अलावा डॉक्टरों की टीम और एंबुलेंस को स्टैंडबाय पर रखा गया है। पोर्ट अथॉरिटी, ऑयल रिग ऑपरेटर्स, शिपिंग- फिशरीज अथॉरिटी और मछुआरा संघों को चक्रवात को लेकर जानकारी दे दी गई है। ICG के प्रवक्ता के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में मौसम पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

तपिश बनी रहेगी पर बारिश के भी बन रहे आसार

भोपाल। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान यास कमजोर पड़ने लगा है। यास शुक्रवार को और कमजोर होकर ऊपरी हवा के चक्रवात के रूप में बिहार और उसके आसपास पहुंचने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इस तूफान से मध्यप्रदेश पर विशेष असर नहीं पड़ने से शुक्रवार को भी तापमान बढ़ा हुआ ही रहेगा। उधर अरब सागर से मिल रही नमी के कारण मालवा,निमाड़ में कहीं-कहीं बौछारें पड़ रही हैं। मध्यप्रदेश पर एक द्रोणिका लाइन बनने के संकेत मिले हैं। इसके प्रभाव से शनिवार को भोपाल, इंदौर, होशंगाबाद, जबलपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बौछारें पड़ने की संभावना भी है। उधर गुरूवार को प्रदेश में सबसे अधिक 43 डिग्रीसेल्सियस तापमान रायसेन और श्योपुरकला में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक नौतपा के तीसरे दिन गुरूवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 40.9 डिग्रीसे. दर्ज किया गया। जो सामान्य रहा। साथ ही बुधवार के अधिकतम तापमान (40.8 डिग्रीसे.) के लगभग बराबर हीरहा। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्रीसे. रिकार्ड किया गया। जो सामान्य से एक डिग्रीसे. कम रहा। साथ ही गुरूवार के न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्रीसे. की तुलना में 1.2 डिग्रीसे. कम रहा। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि यास तूफान धीरे-धीरे कमजोर पड़कर उत्तर, उत्तर-पश्चिम दिशा की तरफ आगे बढ़ रहा है। इस तूफान का अभी तक प्रदेश में विशेष असर नहीं पड़ा है। इसके प्रभाव से पूर्वी मप्र के शहडोल, रीवा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बौछारें पड़ने की संभावना बनी हुई।

सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा रद्द होनी चाहिए

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को दोहराया कि सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षाएं रद्द की जानी चाहिए। उन्होंने इस बारे में महीनों तक फैसला लटकाए रखने पर सरकार की आलोचना की। प्रियंका ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर से पता चला है कि वायरस के नए स्वरूप के लिहाज से बच्चे सबसे कमजोर वर्ग में हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि बच्चे घंटों तक सभी तरह के रक्षात्मक उपकरण पहनकर परीक्षाओं में बैठने के दबाव में पहले से ही हैं और उन्हें एक-एक दिन लटकाना ''असंवेदनशील तथा अनुचित'' है।

जेलों में क्षमता से दोगुने कैदी

चार हजार बंदियों को रिहा करने की तैयारी

भोपाल। कोरोना संक्रमण को देखते हुए कैदियों से ठसी जेलों को थोड़ा खाली किया जा रहा है। जेलों में क्षमता से दोगुने कैदी हैं। 4200 कैदियों को पैरोल पर रिहा किया गया है। अब करीब चार हजार बंदियों को रिहा करने की तैयारी है। वे विचाराधीन कैदी जिन्हें सात साल से कम की सजा हो सकती है, उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया जा सकता है। ऐसे बंदियों को अंतरिम जमानत के लिए अदालत में आवेदन लगाए जा रहे हैं। रिहाई के बाद जेलों में बंदियों की संख्या 50 हजार से घटकर करीब 40 हजार हो जाएगी। जेलों में संक्रमितों का आंकड़ा 500 पार हो गया है। इसमें 350 से ज्यादा कैदी तो 150 से ज्यादा जेलकर्मी शामिल हैं। कोरोना कर्फ्यू के बाद भी छोटे अपराधों में लोगों को जेल भेजने का सिलसिला चल रहा है। इससे हालात बिगड़ने की आशंका है। नई आमद वालों की आरटीपीसीआर जांच कराई जा रही है। उनको 14 दिन के लिए क्वारंटीन भी किया जा रहा है। भोपाल सेंट्रल जेल से सबसे ज्यादा 800 बंदियों को पैरोल पर छोड़ा गया है।

> रिहाई के बाद जेलों में बंदियों की संख्या 50 हजार से घटकर करीब 40 हजार हो जाएगी

अभी तक लगभग तीन लाख कोरोना मरीजों तक पहुंची मेडिकल किट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में 2 लाख 92 हजार 751 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 21 मई के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फ़ीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से 2 लाख 92 हजार 751 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360, 27 अप्रैल को 9 हजार 705, 28 अप्रैल को 11 हजार 141, 29 अप्रैल को 9 हजार 347, 30 अप्रैल को 8 हजार 958, एक मई को 10 हजार 253, 2 मई को 9 हजार 112, 3 मई को 8 हजार 439, 4 मई को 9 हजार 301, 5 मई को 8 हजार 455, 6 मई को 8 हजार 866, 7 मई को 7 हजार 983, 8 मई को 7 हजार 746, 9 मई को 7 हजार 450, 10 मई को 7 हजार 248, 11 मई को 7 हजार 387, 12 मई को 7 हजार 931 ,13 मई को 7 हजार 388 ,14 मई को 6 हजार 618, 15 मई को 6 हजार 687 कोविड, 16 मई को 5 हजार 814, 17 मई को 5 हजार 401, 18 मई को 4 हजार 822,19 मई को 4 हजार 830 ,20 मई को 5 हजार 28 और 21 मई को 3 हजार 944 मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

नर्मदापुरम 1 जून से अनलॉक हो सकता है

सीएम ने कोरोना समीक्षा बैठक में कहा- होशंगाबाद, बैतूल और हरदा में 31 मई तक कर्फ्यू जारी रखें; बिना वजह घूमने वालों पर सख्ती होगी

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को नर्मदापुरम् संभाग के तीनों जिलों की कोरोना संक्रमण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह तक नर्मदापुरम संभाग के होशंगाबाद, बैतूल और हरदा जिले में कोरोना कर्फ्यू जारी रहेगा। यानी 31 मई तक लॉकडाउन बढ़ेगा।

सीएम ने सभी जिले के ब्लाक और शहर की क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कोरोना रोकने के लिए तीन मूल्य मंत्र हैं। तीनों जिले में टेस्टिंग जारी रखें, कोई टारगेट नहीं है। एक सप्ताह और कर्फ्यू लगा रहेगा। किल कोरोना अभियान जारी रखें। होशंगाबाद सांसद उदयप्रताप सिंह की मांग पर सीएम

ने होशंगाबाद और इटारसी में बच्चों के लिए कोविड सेंटर बनाने के लिए अफसरों को निर्देश दिए। सीएम दोपहर सवा 12 बजे नर्मदापुरम संभाग की कोरोना की समीक्षा करने होशंगाबाद आए। वे होशंगाबाद कलेक्ट्रेट सभागार में वीसी द्वारा तीनों जिलों की कोविड नियंत्रण की समीक्षा की। इसमें क्राइसिस मैनेजमेंट के ग्रुप भी जुड़े। सीएम के पहुंचने पर कलेक्ट्रेट के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ जुट गई थी। सभी को बाहर ही रोक दिया गया। यहां तक की मीडिया को भी अंदर नहीं जाने दिया गया। इसके बाद हरदा, होशंगाबाद और बैतूल जिले के ब्लॉक, वार्ड व ग्राम स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुपों को संबोधित कर कोरोना संक्रमण की लहर को गांव की ओर जाने से रोकने के उपाय बताए।

इसके बाद सीएम शिवराज होशंगाबाद से बुदनी निकले गए। होशंगाबाद में चार जिले होशंगाबाद, हरदा, नरसिंहपुर और सीएम की विधानसभा क्षेत्र सीहोर जिले के बुधनी, शाहगंज, रेहटी तहसील के लोग इलाज कराने आते हैं। इसलिए विधायकों ने होशंगाबाद में मेडिकल कॉलेज की सीएम से मांग की। बैठक में होशंगाबाद सांसद उदयप्रताप सिंह, होशंगाबाद विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा, कमिश्नर रजनीश श्रीवास्तव, आईजी जेएस कुशवाहा, होशंगाबाद कलेक्टर धनंजय सिंह भदौरिया मौजूद रहे। वहीं प्रभारी मंत्री कमल पटेल हरदा से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए शामिल हुए। बता दें कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पिछले 10 दिनों से संभागीय दौरा कर रहे है। 13 मई को शहडोल और रीवा संभाग का दौरा कर कोविड की समीक्षा कर चुके है।

एमपी टूरिज्म शो से दुनिया को न्योता देगा

बांधवगढ़, पचमढ़ी, मांडू, महेश्वर, हनुवंतिया आदि टूरिस्ट स्पॉट्स टीवी पर दिखाए जाएंगे; नीदरलैंड, बुल्गारिया, दुबई, यूके सहित 40 देशों में

भोपाल। मध्य प्रदेश पर्यटन को अब भारत समेत 40 देशों में टीवी पर देखा जा सकेगा। इसे बढ़ावा देने के लिए दुनिया के पहले 4च इंटरनेशनल ट्रैवल चैनल ट्रेवलएक्सपी ने मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों पर आधारित एक ट्रैवल शो द जिप्सीस तैयार किया गया है। यह 28 मई 2021 को शाम 7ः30 बजे ट्रेवलएक्सपी चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं प्रबंध निदेशक मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि ट्रेवलएक्सपी के सहयोग से हमें दुनिया भर के यात्रा-प्रेमियों तक पहुंचने में मदद मिलेगी और वे निश्चित रूप से पर्यटन के लिए मध्यप्रदेश की ओर आकर्षित होंगे।

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने इस ट्रेवल शो को बनाने में एसोसिएट पार्टनर की भूमिका निभायी है। कार्यक्रम को ट्रेवलएक्सपी इंडिया फीड, ट्रेवलएक्सपी तमिल, ट्रेवलएक्सपी (यूरोप), ट्रेवलएक्सपी यूके यूएसए, ट्रेवलएक्सपी (जर्मनी) और यूके (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) चैनलों पर प्रसारित किया जायेगा। द जिप्सीस का ट्रेलर लॉन्च होने के 12 घंटों के भीतर

ही आधा मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। शुक्ला ने कहा कि ट्रेवल शो द जिप्सी की शूटिंग इस साल की शुरुआत में सभी कोविड प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए की गई थी। लोकप्रिय अभिनेत्री, प्रभावशाली और वीजे क्रिसन बैरेटो और बेनाफशा सूनावाला ने पूरे मध्यप्रदेश में भ्रमण किया, स्थानीय रीति-रिवाजों की खोज की और प्रदेश के सबसे शानदार स्थलों के रोमांच से जुड़ते हुए इस ट्रेवल शो को शूट किया है। ट्रेवलएक्सपी के साथ साझेदारी एमपी टूरिज्म की मध्यप्रदेश के टूरिज्म को प्रचार करने की रणनीति के लिए एक अहम कदम है, जो मध्यप्रदेश टूरिज्म को नीदरलैंड, बुल्गारिया, दुबई, यूके, आयरलैंड और भारत सहित 40 से अधिक देशों के 12 करोड़ से अधिक घरों के पर्यटन प्रेमियों को आकर्षित करेगा। मांडू, महेश्वर, हनुमनतिया, तवा, पचमढ़ी, भोपाल, जबलपुर, बांधवगढ़, ग्वालियर और इंदौर के कार्यक्रम होंगे।

राजधानी में कोरोना ने 115 बच्चों की खुशियां छीनीं

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कोरोना बच्चों की खुशियों पर कहर बनकर टूटा है। जिंदगी भर न भूलने वाला दर्द दे दिया। यहां ऐसे 15 बच्चे हैं, जिन्होंने कोरोना से अपने मां-बाप दोनों को खो दिया। वहीं, 100 से ज्यादा बच्चों के सिंगल पैरेंट्स की मौत हुई है। अभी यह शुरुआती जानकारी है। ऐसे मां-बाप खो चुके बच्चों के आवेदन महिला एवं बाल विकास विभाग को मिले हैं। इसमें पात्र बच्चों की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना के तहत लाभ दिया जाएगा। विभाग को कोरोना से मां-बाप खोने के भोपाल के कोलार परियोजना में 4, गोविंदपुरा परियोजना में 4, बरखेड़ी परियोजना में 2, चांदबढ़ परियोजना में 2, बैरसिया परियोजना में 1, जेपी नगर परियोजना में 1 और मोतियापार्क परियोजना में 1 बच्चे की जानकारी मिली है। अभी यह बच्चे अपने रिश्तेदारों के घर पर रह रहे हैं। महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। बच्चों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। विभाग को भोपाल में कोरोना के कारण 100 से ज्यादा बच्चों के सिंगल अभिभावक की मौत होने की भी जानकारी मिली है। ऐसे बीपीएल परिवार के बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ मिलेगा।

ट्रेनों में खाली बर्थ की सूचना मोबाइल पर देगा आईआरसीटीसी

भोपाल। अब इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ट्रेनों में खाली बर्थ से लेकर हर तरह की नई सूचनाएं यात्रियों को मोबाइल पर देगा। आइआरसीटीसी ने इसके लिए पुश नोटिफिकेशन सुविधा को नए सिरे से अपडेट किया है।

यह विकल्प यात्रियों को जल्द और जरूरी सूचना देने के लिए होगा। अभी यात्री रेलवे की वेबसाइट पर जाकर नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम की मदद से ट्रेनों में बर्थ की स्थिति देखते हैं। इसके अलावा रेलवे व आइआरसीटीसी के मोबाइल एप भी है। लोकल एप भी इस काम में यात्रियों के काम आ रहे हैं। इन सबके बीच आइआरसीटीसी ने तय किया है कि यात्रियों को तुरंत सूचना दी

जाएगी। इसके लिए आइआरसीटीसी ने मोबाइल तकनीक संगठन मेसर्स मोमैजिक टेक्नोलॉजी से करार किया है। इस सुविधा का लाभ आसानी से लिया जा सकता है, इसके लिए आइआरसीटीसी की अधिकृत वेबसाइट पर खुद का रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज कराना होगा।

एक माह मे गूगल पे और फोन पे से अधिक हुआ फ्रॉड

भोपाल। लॉकडाउन में अगर आप सभी घर पर हैं और ऑनलाइन सामान, इंटरनेट मीडिया पर कुछ पसंद आने पर उसका भुगतान अपने यूपीआई वॉलेट से कर रहे हैं तो आप को सावधान रहने की जरूरत है। भोपाल साइबर क्राइम के पास एक माह में 197 साइबर धोखाधड़ी की शिकायत पहुंची है, जो एक चौंकाने वाली संख्या है।

इसमें 88 शिकायत यूपीआई वॉलेट जैसे गुगल पे, फोन पे वाली है। जिस पर आरोपित ने लिंक भेजी और उसका खाते से रकम खाते से निकल गई। चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य साइबर सेल ओर साइबर क्राइम एक माह में करीब छह बार लोगों को जागरूक करने के लिए एडवाइजरी जारी कर चुके हैं। इसके बाद भी लोग सावधानी नहीं बरत रहे हैं। हम आपको बता दें कि यूपीआई या यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस ने भारत में बहुत तेजी से लोकप्रियता

हासिल की है। यह काफी सुविधाजनक और तेज सर्विस वाला पेमेंट सिस्टम है। इस सिस्टम किसी की खाता संख्या जाने बिना ही दो बैंक खातों के बीच भुगतान की सुविधा मिलती है। इस समय भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम की भीम ऐप के अलावा गुगल पे पेटीएम, और फोन जैसे प्राइवेट कंपनियों के ऐप सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले यूपीआई प्लेटफॉर्म हैं। लेकिन जिस तरह यूपीआई का इस्तेमाल बढ़ रहा उसी तरह इनसे जुड़े फ्रॉड का जोखिम भी बढ़ रहा है। आपको यूपीआई का इस्तेमाल करते हुए इससे जुड़े फ्रॉड से सावधान रहने की जरूरत है। भोपाल में पांच अप्रैल से पांच मई तक कुल 197 शिकायत दर्ज की गई है। इसमें अकेले 88 यूपीआई जैसे प्लेटफार्म की है। इसलिए इस पर सावधानी रखने की जरूरत है।

एक माह में इस प्रकार की धोखाधड़ी से लोगों को बचाने साइबर छह बार एडवाइजरी जारी कर चुका है। इंटरनेट मीडिया से जुड़ 43 शिकायत पहुंची हैः-इसी तरह से इंटरनेट मीडिया का खाता हैक कर उसकी जैसे दूसरी आईडी बनाकर लोगों से पैसा मांगने जैसे धोखाधडी की शिकायत साइबर सेल के पास 43 पहुंची है। इसके अलावा क्रेडिट कार्ड की 22 लोन के नाम धोखाधड़ी की 14 , नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी की सात , ओएलएक्स पर धोखाधडी की तीन शिकायत पहुंची है।

प्रेमी के साथ भाग गई थी बहन, इसलिए सगे-चचेरे-मौसेरे भाइयों ने की थी प्रेमी के दोस्त की हत्या

जबलपुर। प्रेमी के साथ घर से भागी युवती के कारण युवक को जान से हाथ धोना पड़ा था। हत्या के आरोप में युवती के दो सगे भाईयों समेत चार आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद खितौला पुलिस ने 24 घंटे के भीतर अंधे हत्याकांड से पर्दा हटा दिया है। चार आरोपितों ने जांघ पर चाकू से हमला कर उसकी जान ली थी। वारदात में प्रयुक्त चाकू व दो मोटरसाइकिल पुलिस ने जब्त कर ली है। चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शिवेश सिंह बघेल ने बताया कि 25 मई को ग्राम सिमरिया रोड किनारे उड़द के खेत में बघेली सिहोरा निवासी अजीत कुमार चौधरी 22 वर्ष का शव पाया गया था। 21 मई को जिसकी शादी हुई थी।

सरगर्मी से तलाश कर पकड़ा

प्रकरण के संदेही रमन यादव, प्रदीप यादव, कालीचरण यादव, एवं चिंटू यादव की तलाश की जा रही थी। 26 मई को पता चला कि रमन यादव, प्रदीप यादव एवं कालीचरण यादव अपने रिश्तेदार शिवकुमार यादव के घर ग्राम कोहनी थाना बरगी में एवं चिंटू यादव के कटियाघाट बरेला में छिपे हैं। सभी को पकड़कर पूछताछ की गई। पूछताछ में पता चला कि ग्राम बघेली के अर्जुन यादव का अजीत चौधरी दोस्त था। दोनों कटियाघाट साथ मे आते जाते थे। 2-3 दिन पहले रमन यादव की बहन को ग्राम बघेली का अर्जुन यादव भगा कर ले गया था। रमन यादव को शक था कि अजीत चौधरी ने बहन को भगाने में अर्जुन यादव की मदद की है। उन्हें लगा कि अर्जुन यादव कहां है अजीत को पता होगा। जिस कारण 25 मई को रमन यादव, प्रदीप यादव, कालीचरण यादव एवं चिन्टू उर्फ कृष्णा यादव एक राय होकर अर्जुन यादव को मारने के लिए बघेली गांव पंहुचे। एक मोटर सायकिल में रमन एवं प्रदीप यादव तथा दूसरी मोटर सायकिल में कालीचरण यादव व चिन्टू यादव थे। चारों अर्जुन यादव के घर पहुंचे पर वो नहीं मिला।

नौतपा का पहला दिन रहा ठंडा, आने वाले दिनों में हो सकती है तेज गर्मी

नर्मदापुरम(होशंगाबाद)। नौतपा के पहले दिन दोपहर तक सूर्यदेव तमतमाते रहे। जिससे बादलों को कुछ रहम आया। बादल छाने और तेज हवा चलने से सूर्यदेव का तीखा असर कुछ कम हुआ। सूर्यदेव की तीखी तपन को अपनी आड़ देने से तपन से राहत हुई लेकिन गर्मी में कोई राहत नहीं हुई। पहले दिन तापमान 40.9 डिग्री रहा, जो बीते पांच वर्षों में सबसे कम है। क्योंकि पूर्व में तापमान 41 से अधिक ही रहा है। मंगलवार को सुबह से ही सूर्य की किरणें तीखी गर्मी उत्पन्ना कर रही है। इससे ऐसा लग रहा था कि सूर्य के रोहणी नक्षत्र में आने के पहले दिन ही अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक जा सकता है। लेकिन दोपहर होते ही तेज हवाएं चलने लगी कुछ देर में बादल आ गए। जिससे कभी धूप कभी छाया होती रही। मौसम विभाग के शिवेंद्र कुमार के अनुसार एक-दो दिन में बादलों का डेरा कम होने के साथ ही गर्मी के बढ़ने की संभावना बन रही है। न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज हुआ है। इसी प्रकार पचमढ़ी का अधिकतम तापमान 33.6 और न्यूतनम तापमान 19 डिग्री दर्ज हुआ है। पिछले दिनों तूफान से हुई बारिश व इन दिनों यास चक्रवात के असर से बीते वर्षों की तुलना में मौसम ठंडा है। लेकिन अभी तो नौतपा की शुरूआत हुई है। आने वाले दिनों में जरूर नौतपा अपना असर दिखाएगा।

कमजोर पड़ा चक्रवाती तूफान यास, मध्य प्रदेश बढ़ेगा तापमान

भोपाल। बंगाल की खाड़ी से उठा तूफान यास उड़ीसा से उत्तर, उत्तर- पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने के साथ ही कमजोर पड़ते हुए अवदाब के क्षेत्र में तब्दील हो रहा है। इस तूफान का मध्यप्रदेश में विशेष असर देखने में नहीं आया। हालांकि इसके प्रभाव से गुरूवार को मध्य प्रदेश के पूर्वी इलाके में स्थित शहडोल, रीवा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की बौछारें पड़ सकती हैं। उधर तूफान का प्रभाव नहीं पड़ने के कारण नौतपा के दूसरे दिन बुधवार को राजधानी का अधिकतम तापमान मंगलवार के मुकाबले एक डिग्री बढ़ गया। प्रदेश के अन्य जिलों में भी तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे अधिक 43 डिग्रीसेल्सियस तापमान रायसेन में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक गुरूवार को भी राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि बुधवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 40.8 डिग्रीसे. दर्ज किया गया। जो सामान्य रहा। साथ ही मंगलवार के अधिकतम तापमान (39.8 डिग्रीसे.) की तुलना में एक डिग्रीसे. अधिक रहा। साहा के मुताबिक नौतपा का समय होने के कारण राजधानी में सुबह से ही धूप के तेवर तीखे रहते हैं, लेकिन हवा में कुछ नमी आने के कारण दोपहर के बाद आंशिक बादल छाने लगते हैं। इस वजह से अधिकतम तापमान में अपेक्षाकृत बढ़ोतरी नहीं पा रही है। हालांकि गुरूवार को अधिकतम तापमान में कुछ और बढ़ोतरी होने की संभावना है।

अरब सागर से मिल रही है नमी

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में हवा का रूख पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी बना हुआ है। हवाओं के साथ ही अरब सागर से कुछ नमी भी मिल रही है। इसके अतिरिक्त मराठवाड़ा से कर्नाटक तक एक ट्रफ भी बना हुआ है। इस वजह से इंदौर संभाग और उसके आसपास के जिलों में बौछारें पड़ने की संभावना भी बनी हुई है। शुक्ला के मुताबिक 28 मई तक तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला बना रहेगा। इसके बाद बादल छाने और गरज-चमक की स्थिति बनने की भी संभावना है।

उज्जैन के मालीखेड़ी गांव में कोविड टीकाकरण के लिए गई टीम पर हमला

उज्जैन। उन्हेल तहसील के ग्राम मालीखेड़ी में सोमवार को टीकाकरण करने पहुंचे दल पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। दल में शामिल स्वास्थ्यकर्मी जैसे तैसे अपनी जान बचाकर भागे। घटना के बाद मौके पर एसडीएम व एसडीओपी पहुंचे और स्थिति को संभाला। लोगों का कहना था कि वैक्सीनेशन से लोग मर रहे हैं, हमें वैक्सीन नहीं लगवाना। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी। जानकारी अनुसार उन्हेल से स्वास्थ्य विभाग की टीम मोबाइल वैन लेकर सोमवार सुबह मालीखेड़ी वैक्सीनेशन के लिए पहुंची थी। टीम में नायब तहसीलदार अनु जैन, आशा कार्यकर्ता वैक्सीनेटर एवं अन्य कर्मचारी थे। स्वास्थ्यकर्मियों ने जब लोगों को टीकाकरण के लिए बुलाया तो उन्होंने आने से मना कर दिया। साथ ही टीम को गांव से जाने के लिए भी कहा। पंचायत सचिव रेशमाबाई के पति शकील खां वैक्सीन के फायदे बताने लगे तो पारदी समाज के लोगों ने लाठी से हमला कर दिया। दल के समझाने पर कुछ लोगों व महिलाओं ने दल पर भी पत्थर से हमला कर दिया। हमला होने पर दल में शामिल लोग जैसे-तैस वहां से भागे और अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी बल के साथ गांव पहुंचे और स्थिति को संभाला।

बुद्ध पूर्णिमा के विशेष स्नान पर्व पर घाटों पर छाया रहा सन्नाटा

होशंगाबाद (नर्मदापुरम)। वैशाख माह की बुद्ध पूर्णिमा पर नर्मदा के सेठानी घाट विवेकानंद घाट सहित अन्य सभी घाटों पर सन्नाटा छाया रहा। वैशाख माह में सूर्योदय से पूर्व स्नान करने वाले नियमित स्थानार्थी जरूर कम संख्या में पहुंचे थे, लेकिन उसके बाद पूरे दिन घाट सुनसान रहे। स्नान पर्वों में वैशाख माह की पूर्णिमा का विशेष महत्व है। शाम को महाआरती समिति और नित्य आरती समिति के दो-दो सदस्य ही पहुंचे। उन्होने ही वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाया।

स्वयं भी नहीं आए स्नानार्थी

पूर्व में सोमवती व अन्य स्नान पर्व पर रोक होने के कारण नागरिक स्वयं ही इस बात को समझ गए हैं कि स्नान तो बाद में भी कर लेंगे अभी तो कोरोना नियमों का पालन करना स्वयं और समाज के लिए जरूरी है। नागरिकों ने

प्रशासन के पूर्व में किए गए आव्हान तथा कोरोना कर्फ्यू को ध्यान में रखते हुए घाटों पर नहीं पहुंचे। इसी तरह जहां पर भंडारे होते थे वहां भी सुनसान रहें।

महाआरती की

सेठानी घाट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर होने वाली मां नर्मदा की महाआरती और नित्य आरती की परंपरा कोरोना कर्फ्यू में भी बनी रही। अंतर सिर्फ इतना रहा कि पूर्व में समारोहपूर्वक होती थी,अब बहुत कम श्रद्धालु ही शामिल रहते हैं। पं. प्रशांत दुबे ने बताया कि कम संख्या में ही आरती की गई है। वहीं नित्य आरती समिति प्रमुख पं. विनोद दुबे ने बताया कि बीते कई वर्षों की तरह मां नर्मदा की नित्य आरती कम सदस्यों के साथ की जा रही है।

घर में हुए नर्मदा स्नान,पूजन पाठ

शहर के अधिकांश लोगों ने स्नान दान पूर्णिमा के अवसर पर नर्मदा जल से अपने घरों में ही स्नान किए। लेकिन कुछ लोग अमावस्या पूर्णिमा के अवसर पर घाट पर ही जाकर स्नान करते थे। सभी ने अपने अपने घरों में पूजन पाठ किए। इस मौके पर अनेक परिवारों ने घर में सत्यनारायण की कथा भी की।

10 जून को मनाई जाएगी शनि जयंती, दान पुण्य से मिलेगी कष्टों से मुक्ति

ग्वालियर। शनि जंयती 10 जून को रोहिणी नक्षत्र में मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों की माने तो इस दिन दान पुण्य करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है। साथ ही शनिदेव की आराधना से साढ़े साती, ढैय्या से भी छुटकारा मिलता है। शनि जयंती ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि गुरुवार 10 जून को रोहिणी नक्षत्र में मनाई जाएगी। इस दिन शनि देव की विशेष पूजा का विधान है। अमावस्या तिथि 9 जून को दोपहर 1:57 बजे से प्रारम्भ होकर 10 जून शाम 4:21 बजे समाप्त होगी। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि शनिदेव ने भगवान शंकर की घोर तपस्या की, शनिदेव की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने शनिदेव को वरदान दिया कि तुम नवग्रहों में सर्वश्रेष्ठ होंगे। तुम पृथ्वीलोक के न्यायाधीश और दंडाधिकारी रहोगे, तुम ही लोगों को कर्मों के अनुसार न्याय और दण्ड दोगे। पुराणों में शनिदेव के रूप का वर्णन किया गया है। शनि देव से डरना नहीं चाहिए जो लोग अच्छे कर्म करते हैं, उन्हें शनि राजा बना देता है और जो बुरे कर्म करते है उन्हें राजा से रंक बना देता है।

बाइक सवार युवक की पेट्रोल टैंकर की टक्कर से मौत

इंदौर। बजरंग नगर कांकड़ निवासी रोहित वर्मा की बुधवार को पेट्रोल टैंकर (एमपी 46-एच-0602) की टक्कर से मौत हो गई। लसूड़िया थाना पुलिस ने बताया कि रोहित सुबह बाइक से रुचि सोया फैक्ट्री में काम करने निकला था। वह जैसे ही महादेव सहारा रोड अर्रडिया कांकड़ के पास पहुंचा। उसे टैंकर ने टक्कर मार दी। इससे सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगी। राहगीर टोनी सोलंकी ने उसके स्वजनों को फोन पर दुर्घटना की सूचना दी। इसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने टैंकर जब्त कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

जिले में अब तक 9048 कोरोना पॉजीटिव मरीज मिले

रायसेन। रायसेन जिले में अभी तक नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 संक्रमण के कुल 9048 पॉजीटिव मरीज मिले हैं। सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री से प्राप्त जानकारी अनुसार 8399 कोरोना पॉजीटिव मरीज उपचार उपरांत स्वस्थ्य हो गए हैं। जिले में कुल 467 एक्टिव केस है जिनका उपचार किया जा रहा है तथा 182 कोरोना पॉजीटिव मरीजों की मृत्यु हुई है। जिले में अभी तक कुल 110977 संदिग्ध मरीजों के सेम्पल जांच के लिए भेजे गए जिनमें 9048 मरीजों की रिपोर्ट कोरोना पॉजीटिव प्राप्त हुई। इसी प्रकार 100184 सेम्पल की रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है तथा 187 सेम्पल की रिपोर्ट प्रतीक्षित है। इनके अतिरिक्त 1305 सेम्पल रिजेक्ट हो गए हैं। होम कोरेंटाइन में रह रहे व्यक्तियों एवं आम जनता के स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए जिला चिकित्सालय रायसेन में टेलिमेडिसिन हेतु मोबाईल, व्हाट्सएप नम्बर 8223991808, 8224041801 जारी किया गया है। इन नम्बरों पर स्वास्थ्य संबंधी समस्या का चिकित्सकीय उपचार दिया जा रहा है।

घर-घर उपचार जारी, वार्डों व गांवों को कोरोना मुक्त करने की तैयारी

रायसेन, बेगमगंज। जिले में कोरोना से जंग जीतने से प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्य अमला ने पूरी ताकत झोंक दी है। घर-घर पहुंचकर मरीजों की तलाश व उपचार करने के साथ ही वैक्सीन टीकाकरण कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक एक लाख 21 हजार लोगों को कोरोना वैक्सीन का पहला डोज और 20 हजार लोगों को दूसरा डोज दिया जा चुका है। कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या पिछले एक पखवाड़े से लगातार कम हो रही है। एक मई को जिले में सक्रिय कोरोना संक्रमित 1432 थे जो कि अब घटकर 565 हो गए हैं। रायसेन में 1517 सक्रिय मरीजों में से अब मात्र 93 सक्रिय मरीज हैं। बरेली विकासखंड में 1555 सक्रिय मरीजों में से अब 109 बचे हैं। औबेदुल्लागंज में 1893 सक्रिय मरीजों में से 124 का उपचार हो रहा है। शेष स्वस्थ हो गए हैं। इसी प्रकार अन्य स्थानों पर भी सक्रिय मरीजों की संख्या कम होने के साथ ही नए मरीज बहुत कम मिल रहे हैं। इसके लिए भी प्रशासन की टीम काम कर रही है। वार्ड व ग्राम स्तर पर इस दिशा में कार्य करते हुए अपना वार्ड व ग्राम कोरोना मुक्त करने का कार्य किया जा रहा है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सोमेन दास ने बताया कि 45 वर्ष से अधिक उम्र के अभी तक एक लाख 8 हजार लोगों को वैक्सीन का पहला और 20 हजार लोगों को दूसरा डोज दिया गया है।

226 गांव में घर घर दस्तक दे रही कल कोरोना टीम

बेगमगंज। तहसील बेगमगंज के 226 गांवों एवं नगर के 18 वार्ड में घर- घर जाकर टीम के सदस्यों द्वारा सात प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से सर्वे किया जा रहा है। अब तक मिले 698 कोरोना पॉजिटिव मरीजों को मेडिसन किट बांटी गई है। जिसके कारण अब मात्र 44 सक्रिय मरीज बचे हैं, शेष सभी स्वस्थ हो गए हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सोमेन दास, एसडीएम अभिषेक चौरसिया, जनपद पंचायत सीईओ बलवान सिंह मुवासे, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. संदीप यादव एवं बीपीएम जय सिंह द्वारा गांवों में पहुंचकर किल कोराना अभियान-3 के तहत चल रहे सर्वे के कार्य एवं गर्भवती महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम का निरीक्षण किया जा रहा है। डॉ. यादव ने बताया कि त्रिस्तरीय 25 सर्वे टीम गठित की गई हैं। जिसमें 25 एएनएम, महिला स्वास्थ कार्यकर्ता, 25 रोजगार सहायक, 163 आशा कार्यकर्ता एवं 207 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को रखा गया है। जोकि घर-घर दस्तक देकर सात प्रकार के प्रश्नों में संबंधित घरों के परिवार के प्रत्येक सदस्य की जानकारी एकत्रित कर रहे हैं कि उन्हें बुखार अथवा सर्दी, जुकाम खांसी गले में खराश या दर्द तो नहीं है।

परीक्षाओं की समय सारणी वेबसाइट पर प्रदर्शित हो

वैक्सीनेशन की फुल-प्रूफ व्यवस्था हो राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कुलपतियों को दिए निर्देश

रायसेन। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सभी विश्वविद्यालयों में रक्त जांच लैब की स्थापना के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा है कि लैब में नोवल कोरोना की जांच की व्यवस्था भी होनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्थाओं को भी प्रभावी बनाने और प्रति माह ब्लड टेस्ट करवाने के निर्देश दिए है।

राज्यपाल आज राजभवन में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ ऑनलाइन चर्चा कर रही थी। बैठक में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भी ऑनलाइन शामिल हुए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में कराए जाने वाले कोविड वैक्सीनेशन कार्य को प्रभावी तरीके से संचालित किया जाए। एक भी वैक्सीन वेस्ट नहीं हों, वैक्सीनेशन कार्य की फुल-प्रूफ व्यवस्था बनाई जाए। वैक्सीनेशन की वाइल को तभी खोला जाए, जब केन्द्र पर दस या दस के गुणित में वैक्सीनेशन के लिए व्यक्ति उपस्थित हो। इस के लिए स्पष्ट कार्य योजना बना कर कार्य किया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन की व्यवस्था के लिए कार्य के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरपंचों के साथ चर्चा कर वैक्सीनेशन का कार्य कराया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में हो रहे निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि परीक्षाओं की समय सारणी को वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाए। इसमें परीक्षाओं की समय-सारणी के साथ ही परीक्षा परिणाम की तिथियों का भी उल्लेख किया जाए। ताकि छात्र-छात्राओं को परीक्षा तैयारी का उचित समय मिले। उनको बताया गया कि विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की परीक्षाएं जून और जुलाई माह में ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। इनके परिणाम क्रमशरू जुलाई और अगस्त माह में घोषित होगे। विश्वविद्यालय से संबंद्ध महाविद्यालयों

में भी इसी अवधि में ओपेन बुक प्रणाली से परीक्षाएं संचालित होगी। विद्यार्थी घर से ही परीक्षाएं देगे। उत्तर पुस्तिकाएं कलेक्शन सेंटर में जमा करानी होगी। परीक्षा मूल्यांकन की व्यवस्था लीड कॉलेजों में की जाएगी। इस अवसर पर बताया गया कि प्रदेश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में 45 प्लस से अधिक की आयु वाले विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजन का टीकाकरण हुआ है। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा एमए योग, डी फार्मा और एम फार्मा के नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए है। इसी तरह जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा एमएससी इन इलेक्ट्रोनिक एंड इंस्ट्रूमेंटेशन, सर्टिफिकेट इन प्रिंटिग टेक्नोलॉजी, सर्टिफिकेट इन सिक्योरिटी मैनेजमेंट, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर द्वारा एम टेक इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, एम.टेक. एनर्जी मैनेजमेंट, एम टेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मास्टर ऑफ वोकेशन इन फैशन टेक्नोलॉजी, मास्टर ऑफ वोकेशन इन लैंड स्केप डिजाईन, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू द्वारा इन्फेंट्री स्कूल महू में डिप्लोमा इन ऑफिस मैनेजमेंट एंड प्रोसीजर, सर्टिफिकेट इन ऑफिस मैनेजमेंट एंड प्रोसीजर, आर्मीवॉर कॉलेज महू में योग सर्टिफिकेट कोर्स, मानव अधिकार सर्टिफिकेट कोर्स और मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में एम.ए. पुलिस प्रशासन के नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए है।

जिले में करीब 150 करोड़ का कारोबार प्रभावित, राहत पैकेज की गुहार

उदयपुरा। जिले में डेढ़ माह के लॉकडाउन में करीब 150 करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ है। कपड़ा, किराना, बर्तन, हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक, होटल, ज्वेलर्स, स्टेशनरी, सैलून, टेंट, बैंड सहित अनेक कारोबार प्रभावित हुए हैं।

रायसेन व्यापार महासंघ के अध्यक्ष संतोष साहू के मुताबिक जिले में प्रतिदिन सभी तरह की सामग्री का लगभग पांच-छह करोड़ का कारोबार होता है। इस हिसाब से डेढ़ माह में 150 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित होना संभावित है। व्यापारी बेबस होकर समय बिता रहे हैं। दुकानें बंद होने से सामग्री को चूहे नुकसान पहुंचाते हैं। कुछ सामान एक्सपायरी हो जाता है। स्वयं व परिवार का खर्च चलाने तथा श्रमिकों को परिश्रमिक देने में जमा पूंजी खर्च हो गई है। बिजली का बिल भुगतान करना मुश्किल हो रहा है। व्यापारी वर्ग शासन को सभी तरह के टैक्स का भुगतान करता है जिससे राज्य व केंद्र का खजाना भरता है। कोरोना संक्रमण काल में जब व्यापारी वर्ग संकट में आ गया है तो सरकार को राहत पैकेज घोषित करना चाहिए। ताकि कारोबार फिर से पटरी पर दौड़ने लगे।

उदयपुरा के व्यापारियों ने ज्ञापन सौंपा

उदयपुरा व्यापार संघ के अध्यक्ष राजेंद्र रघु के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से सरकार से तीन माह का बिजली बिल माफ करने की गुहार लगाई है। व्यापारियों ने बताया कि पिछले डेढ़ माह से सभी तरह के कारोबार ठप हैं। दुकानें व प्रतिष्ठान बंद होने के बावजूद बिजली बिल नियमित रूप से आ रहा है। अभी व्यापारियों को कारोबार पटरी पर लाने के लिए काफी समय लगेगा। इसलिए तीन माह का बिजली बिल माफ करते हुए राहत दी जाए।

मामूली बात पर दोस्त ने की थी युवक की हत्या, कपड़े व कट्टा बरामद

बरेली। पिछले दिनों अंकित ठाकुर की सिर कुचली मिली लाश बायपास स्थित पलकमति पुलिया के नीचे मिली थी। मामूली बात पर उसकी हत्या उसके दोस्त सलीम ने की थी। पुलिस ने सलीम को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खून से सने कपड़े व कट्टा बरामद किया है। थाना प्रभारी राजीव जंगले ने बताया कि अंकित ठाकुर और सलीम दोनों दोस्त थे। 15 मई की रात में दोनों ने पलकमति पुलिया के पास बैठकर शराब पी थी। अंकित के पास कट्टा था। नशे में अंकित ने जब सलीम को कट्टा मारने की धमकी दी तो सलीम ने तुरंत ही अंकित के सिर पर डंडा मार दिया।

आईआरएडी एप के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश पुलिस शिखर की ओरः एडीजी श्री सागर

रायसेन। पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान पीटीआरआई और अन्य विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार आईआरएडी एप के क्रियान्वयन में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। नोडल अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी.सी. सागर ने बताया है कि सड़क दुर्घटनाओं के डाटा प्रविष्टिकरण में शीघ्र ही मध्यप्रदेश पुलिस विभाग शीर्ष पायदान पर होगा। अभी हम नम्बर एक तमिलनाडु से मात्र 292 प्रविष्टियों से पीछे हैं।

श्री सागर ने बताया हैं कि आईआरएडी एप में मध्यप्रदेश पुलिस ने 7 हजार 632 सड़क दुर्घटनाओं की प्रविष्टि की है, जबकि तमिलनाडु पुलिस ने कुल 7 हजार 924 प्रविष्टियाँ की हैं। इस प्रकार समग्र डाटा का तुलनात्मक अध्ययन करने पर स्पष्ट है कि प्रदेश मात्र 292 प्रविष्टियों से पीछे हैं। श्री सागर ने कहा कि हम इस अंतर को बहुत जल्दी समाप्त कर आईआरएडी एप में प्रविष्टियों के मामले में नंबर वन होंगे। श्री सागर ने बताया कि आगामी दिनों में मध्यप्रदेश पुलिस विभाग सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आईआरएडी एप में दर्ज आँकडों का त्वरित और सटीक विश्लेषण कर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी।

इससे सड़कें सुरक्षित होंगी और जनता सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं से स्वयं को महफूज रख पायेगी। जनता को सड़कों पर दुर्घटनाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। एडीजी श्री सागर ने बताया कि सुप्रसिद्ध कवि श्री सोहनलाल द्विवेदी की कविता, 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' उत्साहजनक और उत्साहवर्धक है, जो नवीन ऊर्जा का संचार करने में सफल है। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा महकमा अन्य विभागों के साथ मिलकर शिखर पर पहुँचने के लिए निरंतर परिश्रम कर रहे हैं।

बिना रजिस्ट्रेशन नहीं लगेगा युवाओं को कोविड वैक्सीन का टीका

रायसेन। जिले में गुरुवार को 16 केंद्रों पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वाले 18 से 44 वर्ष उम्र के युवाओं को कोविड वैक्सीनेशन का लाभ दिया जाएगा। बुधवार शाम तक स्वास्थ्य विभाग के पास बिना रजिस्ट्रेशन वालों को वैक्सीनेशन का लाभ देने संबंधी कोई आदेश नहीं मिले हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सोमेनदास ने बताया कि पूर्व की तरह ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वालों को ही वैक्सीन का डोज दिया जाएगा। केंद्र व राज्य सरकार के बीच चर्चा का दौर जारी है। देर शाम तक शासन से कोई नया आदेश जारी होगा तो उस अनुसार वैक्सीनेशन की व्यवस्था की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के पास गुरुवार को वैक्सीनेशन करने के लिए 3530 डोज उपलब्ध हैं। प्रत्येक केंद्र पर 200 लोगों को वैक्सीनेशन का लाभ देने की व्यवस्था की गई है।

इन केंद्रों पर आज होगा टीकाकरण

स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को रायसेन में शासकीय उत्कृष्ट स्कूल, सांची में बालक उमावि, दीवानगंज में हायर सेकंडरी स्कूल, बरेली में बालक उमावि, बाड़ी में हासे स्कूल, उदयपुरा में कन्या उमावि, देवरी में पंचायत भवन, सिलवानी में बालक उमावि, बम्होरी में हासे स्कूल, बेगमगंज में कन्या उमावि, सुल्तानगंज में हासे, गैरतगंज में हासे, देहगांव में हासे, मंडीदीप में कन्या उमावि, औबेदुल्लागंज में बालक उमावि, सुल्तानपुर में हासे स्कूल में टीकाकरण कार्य किया जाएगा।

कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक की प्रक्रिया के लिये नागरिक दे सकते हैं सुझाव

31 मई तक एमपी मायगव के जरिये सुझाव आमंत्रित

रायसेन। कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक की प्रक्रिया के लिये नागरिक अपने सुझाव mp.mygov.in के जरिये दे सकते हैं। कोरोना कर्फ्यू में ढील एवं प्रदेश को अनलॉक करने की दृष्टि से 31 मई तक व्हाट्सअप नम्बर 9098151870 और ई.मेल आई.डी.पर भी सुझाव साझा किये जा सकते हैं। कोरोना कर्फ्यू को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने एवं अनलॉक करने के संबंध में इन

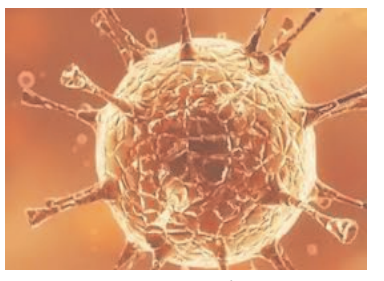

विषयों पर सुझाव माँगे गये हैं। कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक कैसे चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिये। कोरोना कर्फ्यू में अनलॉक करने की प्रक्रिया अंतर्गत किस तरह की गतिविधियों के संचालन में प्राथमिकता देते हुए छूट दी जानी चाहिये। इसी के साथ अन्य सुझाव आमंत्रित किये गये हैं।

पिछले दो महीने से पूरा देश कोरोना की दूसरी लहर से उत्पन्न चुनौती और उसके खतरे का सामना कर रहा है। मध्यप्रदेश में सभी के सहयोग और परिश्रम से कोरोना संक्रमण अब काफी कुछ नियंत्रण में आ रहा है। कोरोना संक्रमण पर इस नियंत्रण को कायम रखने के लिये अधिकतम प्रयास करने होंगे। कोरोना संक्रमण एकदम से समाप्त होने वाला नहीं है। सरकार पूरी क्षमता से कोविड से लड़ाई लड़ रही है। प्रदेश सरकार की बेहतर रणनीति और प्रबंधन से कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण पाने में सहायता मिल रही है। प्रदेश में संक्रमण की दर लगातार कम हो रही है। सभी को कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के साथ ही जिंदगी शुरू करना है। इस पर रणनीति बनाते हुए लगातार कार्य करने के साथ लोगों में जागरूकता लानी होगी। ऐसे में प्रदेश सरकार कोरोना वायरस से उत्पन्न हर चुनौती और हर खतरे को कम करने के लिये सभी आवश्यक कदम उठाकर निरंतर कार्य कर रही है। कोरोना कर्फ्यू में कोरोना संक्रमण की दर को कम करने के साथ धीरे-धीरे आम लोगों की गतिविधियों को बढ़ाना भी है।

संपादकीय

वनवासी समुदाय अब निश्चिंत होकर कर सकेगा खेती-बाड़ी

मुकेश मोदी

भोपाल। मध्यप्रदेश भारत का सर्वाधिक आदिवासी जनसंख्या वाला राज्य है। प्रदेश की कुल आबादी में से करीब 21 प्रतिशत आबादी आदिवासी समुदाय की है। इस प्रकार देखा जाये, तो प्रदेश में हर पाँचवा व्यक्ति आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है। आदिवासी समुदाय लम्बे समय से वन भूमि में निवास कर खेती एवं उससे जुड़े रोजगार के व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। राज्य के आदिवासी समुदाय को समाज एवं विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये राज्य सरकार द्वारा संवेदनशील रूख अपना कर उनके उत्थान के लिये ऐसे कदम उठाये गये है, जिससे उनके आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। प्रदेश के 89 आदिवासी बाहुल्य विकासखंडों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये यूं तो राज्य सरकार ने अनेक जन-कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की हुई हैं, जिनका सफल क्रियान्वयन कर आदिवासी भाइयों को

लाभान्वित किया जा रहा है। वनों में लम्बे समय से रहने वाले वनवासियों की सबसे बड़ी समस्या उनके आवास स्थल और खेती-बाड़ी की जमीन की रही है। प्रदेश में रहने वाले वनवासियों में एक बड़ा हिस्सा आदिवासी समाज का वन क्षेत्रों में पारम्परिक रूप से रहता आया है। आदिवासी परिवारों को हमेशा से यह डर सताता रहा है कि जिस भूमि पर वे वर्षों से काबिज रहे है, उस भूमि पर उनका मालिकाना हक न होने से वे कभी भी बेदखल किये जा सकते हैं। वन क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे आदिवासी समाज के लोगों के लिये प्रदेश सरकार ने नई पहल करते हुए उनके जीवन में रोशनी की उम्मीद जगाई है, जो उनकी आगे आने वाली पीढ़ी को भी प्रकाशमान करती रहेगी। मध्यप्रदेश में चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही श्री शिवराज सिंह चौहान ने गरीब एवं बेसहारा लोगों की प्राथमिकता के साथ सुध ली। चाहे मजदूर हो, काम-काज करने वाला वर्ग, पिछड़ी जन-जाति की महिलाएँ प्रवासी मजदूर, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की महिलाओं और गरीब तबके को हर संभव मदद उपलब्ध करवाई गई है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समाज के 23 हजार लोगों को वनाधिकार पट्टा देकर उनके जीवन को एक नई दिशा दी है।

विवि एवं कॉलेजों के समग्र पाठ्यक्रम में एक वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया जायेगा एन सी सी

भोपाल। एनसीसी का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सशक्त चरित्र निर्माण, कामरेडशिप, अनुशासन, धर्म-निरपेक्ष दृष्टिकोण, अत्म-विश्वास, टीम-भावना, मूल्यनिष्ठ समाज, राष्ट्र-निर्माण एवम सेवाभाव के आदर्शों को विकसित करना है। एनसीसी प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व गुणों के साथ एक संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक ऐसा पूल बनाना है, जो राष्ट्रसेवा एवं राष्ट्र-निर्माण में सदैव अग्रणी रहेंगे चाहे वे किसी भी कैरियर का चयन करें। साथ ही, राष्ट्रीय कैडेट कोर युवा भारतीयों को सशस्त्र बलों में शामिल होने हेतु प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। एनसीसी ने 1948 से राष्ट्र-निर्माण में सतत रूप से महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशालय, नई दिल्ली द्वारा भारतीय युवाओं के लिए एनसीसी के पाठ्यक्रम को एक वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल करने के लिए अनूठी पहल की है। इसके अंतर्गत अब विभिन्न विश्व-विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों में एनसीसी को एक सुनियोजित पाठ्यक्रम के रूप में तैयार किया गया है जिससे स्नातक परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में अन्य वैकल्पिक विषयों (जैसे विज्ञान, वाणिज्य, कला, विधि, संगीत, आदि) की ही तरह अब एनसीसी भी एक वैकल्पिक विषय के तौर पर उपलब्ध होगा। एनसीसी पाठ्यक्रम में कुल क्रेडिटों की संख्या 24 होगी जो कि 6 सेमिस्टर में विभाजित हैं। इसमें सामान्य विषयों के साथ मिलिट्री विषयों (आर्मी, नेवी, ऐयर फोर्स) की थ्योरी एवं प्रेक्टीकल क्लासेस ली जायेंगी तथा एक 10 दिवस का कैम्प भी होगा, जिसमे पुरी ट्रेनिंग का सार होगा। विवि व कॉलेजों के प्रोफेसर्स (ए. एन. ओ.) जहाँ सामान्य विषयों की थ्योरी क्लासेस लेंगे वहीं एनसीसी ईकाइओं के प्रशिक्षित एवं अनुभवी सैनिकगण (पी. आई. स्टाफ़) मिलिट्री विषयों (आर्मी, नेवी, ऐयर फोर्स) की थ्योरी क्लासेस एवं प्रेक्टीकल क्लासेस लेंगे। इस समग्र एनसीसी पाठ्यक्रम में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर भी शामिल हैं, जिनमें शामिल होना अनिवार्य है एवं अतिरिक्त क्रेडिट अंक भी दिये गये हैं। अब एनसीसी के पाठ्यक्रम को एक वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल करने से छात्रों को संबंधित स्नातक डिग्री/मार्क्स शीट में समग्र सी.जी.पी.ए. में एनसीसी (वैकल्पिक विषय) के क्रेडिट अंको को भी दर्शाया जा सकेगा।

हाल ही में राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशालय, नई दिल्ली द्वारा यूजीसी को प्रस्ताव किया गया और प्रस्तावित समग्र नवीन एनसीसी पाठ्यक्रम भेजा गया है। फलस्वरूप यूजीसी की हरी झंडी के पश्चात यूजीसी द्वारा यह प्रस्ताव 15 अप्रैल 2021 को सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को भेजा गया है, जिसमें एनसीसी को उनके अंतर्गत सभी कालेजों में चल रहे स्नातक पाठ्यक्रमों में एनसीसी को भी शामिल करने के दिशा-निर्देश दिये गये हैं। महानिदेशालय द्वारा एनसीसी का नवीन पाठ्यक्रम नयी शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एवं सामान्य वैकल्पिक क्रेडिट पाठ्यक्रम (सीबीसीएस) के अनुरूप बनाया गया है। इससे एनसीसी को सभी कॉलेजों में चल रहे स्नातक पाठ्यक्रमों में एनसीसी को भी सुचारू रूप से वैकल्पिक विषय के तौर पर शामिल करने में सुविधा होगी।

एनसीसी पाठ्यक्रम को एक वैकल्पिक विषय के तौर शामिल करने की पहल का उद्देश्य एनसीसी प्रशिक्षण को और अधिक समग्र और कौशल उन्मुख बनाना है, जिससे अंततः कैरियर की संभावनाओं को सुगम बनाया जा सके। मुख्य रूप से पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्रों को क्रेडिट अंक प्रदान किए जायेंगे, जो उन्हें अपने संबंधित डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त करने में भी सक्षम बनायेगा।

इसका उद्देश्य से सभी छात्र-छत्राऔं में अनुशासन का पालन करने और उनमें देशभक्ति की भावना पैदा करने के लिए एनसीसी में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। यह विशेष रूप से कॉलेजों में अध्यनरत 'बी' एवं 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षाओं में उपस्थित होने वाले कैडेटों को एक बड़ा लाभ प्रदान करेगा, जिन्हें दो से पाँच साल की प्रशिक्षण अवधि के बाद सम्मानित किया जाता है। अब छात्र-छत्राएँ उन संस्थानों में एनसीसी को एक वैकल्पिक विषय के तौर पर अपने पाठ्यक्रम में चयन कर सकेंगे। जिन संस्थानो एवं विश्वविद्यालयओं द्वारा एनसीसी पाठ्यक्रम को क वैकल्पिक विषय के तौर पर शामिल किया गया है। अब ऐसे स्नातक छात्र-छत्राओं को जिन्होनें एनसीसी क्रेडिट कोर्स (विषय) का चयन किया है, ऐसे केडेटों को बी-सी सर्टिफिकेट के साथ अपने स्नातक पाठ्यक्रम में एनसीसी के भी पूरे क्रेडिट मिलेंगे, जो वर्तमान में उन्हें नहीं मिल रहे हैं। इस आधार पर उन्हें कई चयन परीक्षा में अतिरिक्त अंक मिलेंगे जिस से उन्हें भविष्य मे सेना तथा अर्धसैनिक बल और पुलिस मे रोजगार पाने में वरियता भी मिलेगी।

प्रस्तावित पहल का आगामी शैक्षणिक सत्र योजनाबद्ध तरीके से कार्यान्वयन किया जा रहा है। राज्य सरकारों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त की है। अन्य राज्यों की तरह आशा है कि मध्यप्रदेश सरकार एवं समस्त विश्वविद्यालयओं भी इसे सकारात्मक रूप से स्वकृति दे देगी।

इसके फलस्वरूप मध्यप्रदेश में भी विभिन्न विश्वविद्यालयओं जैसे साँची यूनिवर्सिटी ऑफ बौद्ध-इंडिक स्टडीज, भोपाल, रानी दुर्गावती विश्व विद्यालय जबलपुर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय ग्वालियर, राजीव गांधी प्रोद्योगिकी विश्व विद्यालय, भोपाल, नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी भोपाल, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्व विद्यालय, उज्जैन, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्व विद्यालय छतरपुर, मध्यप्रदेश पशु चिकित्सा विज्ञान विश्व विद्यालय जबलपुर, मध्यप्रदेश भोज (ओपन) विश्वविद्यालय भोपाल, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय जबलपुर, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज, महू, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जबलपुर, देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इंदौर, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय,भोपाल, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्व विद्यालय भोपाल जैसे 20 से भी अधिक विश्वविद्यालयों के अनेक छात्रों को लाभान्वित करेगी।

(लेखक: कमांडर (डॉ.) ओम प्रकाश शर्मा, कमांडिग आफिसर, 1 एम पी नेवल यूनिट,एनसीसी भोपाल)

ग्रामीण भारत की आर्थिक आजादी और खुशहाली की गारंटी देने वाली प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना - कमल पटेल

भोपाल। यह महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत है] जो लंबे समय तक कांग्रेस सरकारों कि अदूरदर्शिता और खराब नीतियों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। लेकिन अंतत- इस देश ने कांग्रेस को नकार कर और भारतीय जनता पार्टी पर गहरा भरोसा दिखाते हुए राजनीतिक बदलावों से उन नाकामियों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की ठान ली है। आज़ादी के बाद आठवें दशक में अब यह देश मोदी युग में प्रवेश कर चुका है।

उनके नेतृत्व में भारत अब विकास,खुशहाली, जन-कल्याण की नई ऊँचाइयों और ग्राम स्वराज को मजबूत करने की दिशा में नित नए कीर्तिमान स्थापित करता हुआ तेजी से आगे बढ़ रहा है। दरअसल भारत में लोक-कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए लोकप्रिय प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की शुरुआत का एक साल बीत चुका है। यह योजना स्वतंत्र भारत और ग्रामीण भारत की आर्थिक आजादी का प्रतीक होकर ग्रामीण भारत को मजबूत और खुशहाल करने वाली सबसे बड़ी योजना है। इस योजना से महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को जमीनी स्तर पर लागू करके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने साकार कर दिया है। दिनांक 24 अप्रैल को देश में राष्ट्रीय पंचायत दिवस मनाया जाता है और बीते साल इसी दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस महती योजना का सूत्रपात कर ग्रामीण भारत के विकास की अनंत संभावनाओं के द्वार खोल दिए थे। इसके साथ ही देश की करोड़ों ग्रामीण जनता को आर्थिक आज़ादी मिलने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ, जो पूर्व की कांग्रेस सरकारें नहीं कर सकी थीं। ग्रामीण भारत की सुख, शांति, संपन्नता और सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए बनाई इस महत्वाकांक्षी योजना को लेकर मध्यप्रदेश में भी व्यापक उत्साह रहा है। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अस्तित्व में आते ही प्रदेश की भाजपा सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाये हैं। मध्यप्रदेश की ग्रामीण जनता में इसके प्रभाव और उज्जवल परिणाम सभी के साथ साझा करते हुए बेहद प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के साथ इस एक साल में मध्यप्रदेश का हरदा जिला एक मिसाल बन गया है, जिसने स्वामित्व योजना के अनुसार सम्पूर्ण दस्तावेज शत प्रतिशत तैयार कर लिए है। इसके साथ ही इसका त्वरित लाभ जिले के 402 राजस्व ग्रामो की सम्पूर्ण आबादी को मिल सके, इसलिए इन दस्तावेजों के वितरण की भी तैयारी कर ली है। मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के सम्पूर्ण देश में पहले लाभार्थी, हरदा जिले के रामभरोसे विश्वकर्मा बने हैं।

महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिये शिवराज सरकार की क्रांतिकारी पहल

पंकज मित्तल

भोपाल। देश की कुल आबादी का 75 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है, जिनका प्रमुख आधार खेती रहा है। प्रारंभ से ही ग्रामीण महिलायें खेती कार्य में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर कार्य करती रहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्र की महिला शक्ति को पहचान कर मध्यप्रदेश सरकार ने उनके आर्थिक एवं सामाजिक विकास की अवधारणा को मूर्त रूप दिया है। ग्रामीण अंचलों में महिलाओं द्वारा छोटी-छोटी बचत और घर पर बनाई गई वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिये क्रांतिकारी पहल मध्यप्रदेश में हुई है। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सबल बनाने के लिये व्यापक स्तर पर महिलाओं को मदद का सिलसिला शुरू किया गया है, जिससे वे अपने हुनर को बढ़ाकर अपनी आय का स्थाई जरिया कायम कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिये प्रभावी कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना को मूर्तरूप देने के लिये ÷बूस्टर डोज÷ के रूप में राज्य शासन द्वारा इस वर्ष महिला स्व-सहायता समूहों को बैंकों के माध्यम से दी जाने वाली सहायता सीमा 300 करोड़ से बढ़ाकर 1400 करोड़ रूपये कर दी गई है। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया है कि बैंक ब्याज दर चार प्रतिशत से ज्यादा नहीं होगी।

इसके ऊपर का ब्याज राज्य सरकार देगी। सम्पूर्ण प्रदेश के महिला स्व-सहायता समूहों की 33 लाख महिलाओं को स्व-रोजगार की दिशा में बढ़ावा देने के लिये की गई इस नवीन व्यवस्था से प्रदेश की महिलाएं सशक्त होंगी। सशक्त महिलाएँ ही प्रदेश को सशक्त बना सकती है। उन्हें आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर करने और स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों और विपणन के लिये स्व-सहायता पोर्टल भी तैयार किया गया है। प्रदेश सरकार के मुखिया श्री शिवराज सिंह चौहान बेटियों और महिलाओं के प्रति अति संवेदनशील है।

सदी की 100वीं जीत का मौका: वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले 21वीं सदी में 99 टेस्ट जीत चुकी है टीम इंडिया

साउथैम्पटन। भारतीय टीम 18 से 22 जून तक साउथैम्पटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेलेगी। भारत के पास 21वीं सदी में 100वीं टेस्ट जीत दर्ज कर चैंपियन बनने का मौका होगा। टीम इंडिया ने 21वीं सदी में (1 जनवरी, 2001 से अब तक) 214 टेस्ट मैच खेले हैं और 99 मैचों में जीत हासिल की है। 57 में हार मिली है और 36 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

इंग्लैंड ने 155 और ऑस्ट्रेलिया ने 130 मैच जीते

इस सदी में टेस्ट क्रिकेट में भारत से ज्यादा जीत सिर्फ ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमों को मिली है। ऑस्ट्रेलिया ने 224 टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें उसे 130 में जीत और 58 में हार का सामना करना पड़ा है। 36 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं, वहीं इंग्लैंड की टीम ने 258 मैचों में 155 मुकाबले जीते हैं और 85 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड के 58 मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत के बाद साउथ अफ्रीका (194 मैचों में 94 जीत) चौथे और श्रीलंका (191 मैचों में 74 जीत) पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान 164 मैचों में 65 जीत के साथ छठे स्थान पर है।

पहली बार सदी में 100 टेस्ट जीतेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम ने पिछली सदी में 336 मैचों में सिर्फ 63 में जीत हासिल की थी। भारतीय टीम 1932 से टेस्ट क्रिकेट खेल रही है। यानी यह पहला मौका होगा जब हमारी टीम एक सदी में 100 मैच जीतेगी। अभी तो 2021 ही है। सदी के अंत तक भारत दुनिया में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम भी बन सकती है।

चार कप्तानों ने बदली भारत की तस्वीर

इस सदी में टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के काया पलट के पीछे चार कप्तानों की बड़ी भूमिका रही है। इनमें सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली शामिल हैं। इनके अलावा अनिल कुंबले, वीरेंद्र सहवाग और अजिंक्य रहाणे ने भी इस सदी में टीम की कमान संभाली है। साल 2001 से अब तक भारत ने गांगुली की कप्तानी में 19, धोनी की कप्तानी में 27 और विराट की कप्तानी में 36 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की है।

विपक्षी के घर में 39 जीत

2001 से लेकर अब तक भारतीय टीम ने विदेश में भी कई बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसमें ऑस्ट्रेलिया को लगातार दो बार उसे उसके घर में टेस्ट सीरीज में हराना शामिल है। इस सदी में भारत ने विपक्षी टीम को उसके घर में 39 बार हराया है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही इस मामले में भारत के आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने 47 बार यह कारनामा किया है। पिछली सदी में भारतीय टीम विपक्षी टीम को उसके घर में सिर्फ 15 बार हरा पाई थी।

रोहित को लेकर दो पाकिस्तानी क्रिकेटर्स भिड़े

आमिर ने कहा- विराट की तुलना में हिटमैन को आउट करना आसान, कनेरिया ने दिया जवाब

नई दिल्ली। दानिश कनेरिया (बाएं) ने आमिर (दाएं) के रोहित को लेकर दिए गए बयान को बेतुका बताया। कनेरिया ने कहा कि आमिर बस सुर्खियों में बने रहने के लिए कुछ भी बोलते हैं। दानिश कनेरिया (बाएं) ने आमिर (दाएं) के रोहित को लेकर दिए गए बयान को बेतुका बताया। कनेरिया ने कहा कि आमिर बस सुर्खियों में बने रहने के लिए कुछ भी बोलते हैं। कुछ दिन पहले इंग्लैंड के माइकल वॉन और पाकिस्तान के सलमान बट के बीच विराट कोहली को लेकर बहस क्रिकेट की दुनिया में चर्चा का विषय रही। अब 2 पाकिस्तानी क्रिकेटर्स भारत के ही एक और बल्लेबाज रोहित शर्मा को लेकर सोशल मीडिया पर भिड़ गए हैं। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि विराट की तुलना में रोहित को आउट करना आसान है। इस पर पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने जवाब देते हुए कहा कि ऐसे बयान देने से पहले रोहित के रिकॉर्ड पर भी नजर डाल लेनी चाहिए।

रज्जाक ने बुमराह को साधारण गेंदबाज कहा था कनेरिया ने कहा- न तो हम भारत के खिलाफ सीरीज खेलने जा रहे हैं। न ही आप रोहित के सामने गेंदबाजी करने वाले हैं। ऐसे में आपका बयान पाकिस्तानी ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक की तरह है। रज्जाक ने जसप्रीत बुमराह को महज साधारण गेंदबाज कहा था।

रोहित के लिए इन स्विंग-आउट स्विंग दोनों परेशानी

आमिर ने कहा था कि मुझे रोहित को आउट करना इसलिए आसान लगता है क्योंकि वे इन स्विंग और आउट स्विंग दोनों तरह की बॉल पर फंस जाते हैं। मैंने उन्हें 2017 चैंपियंस ट्रॉफी और 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में भी इन स्विंग पर ही आउट किया था। वे शुरुआती 2-3 ओवर में स्विंग पर लड़खड़ा जाते हैं। 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में आमिर ने रोहित को शून्य पर LBW किया था। वहीं, टी-20 वर्ल्ड कप में 10 रन के निजी स्कोर पर शोएब मलिक के हाथों कैच कराया था।

2018 एशिया कप में रोहित ने आमिर की धुनाई की थी

आमिर टी-20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत के खिलाफ 2018 एशिया कप में भी खेले थे। तब रोहित ने आमिर के सामने बेहतर प्रदर्शन किया था। एशिया कप में जब यह दोनों टीमें पहली बार भिड़ी, तो भारत ने पाकिस्तान को 162 रन पर ऑलआउट कर दिया था। इसके जवाब में रोहित ने 39 बॉल पर 52 रन की पारी खेल टीम को जीत दिलाई थी। वहीं, इसी टूर्नामेंट के दूसरे मैच में रोहित ने आमिर की जमकर धुनाई की थी। टूर्नामेंट के दूसरे मैच में पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 237 रन बनाए थे।

दो साल के लिए टल गया एशिया कप, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने किया ऐलान

एशिया कप को अगले दो सालों के लिए टाल दिया गया है। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने (ACC) रविवार इसकी घोषणा करते हुए कहा कि अब इस टूर्नामेंट का आयोजन 2023 में किया जाएगा। एसीसी के कार्यकारी बोर्ड ने रविवार को एक बयान जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। आपके बता दें कि इस टूर्नामेंट का आयोजन 2020 में होना था, लेकिन कोरोनावायरस के कारण इसे अगले साल के लिए टाल दिया गया। अगले साल यानी जून 2021 में फिर इसका आयोजन होना था, लेकिन भारतीय टीम के ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने और अन्य एशियाई टीमों के व्यस्त कार्यक्रम के कारण इसे फिर से टालने का फैसला किया गया। अपने बयान में ACC ने कहा, व्यस्त एफटीपी को ध्यान में रखते हुए, इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि इस साल टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए सभी टीमों के उपलब्ध होने के लिए कोई व्यावहारिक वक्त संभव नहीं है।

सभी जानते थे कि धोनी सभी मैच खेलेंगे

मुझे उनके रिटायर होने के बाद ही नियमित मौके मिले: ऋद्धिमान साहा

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट विशेषज्ञ ऋद्धिमान साहाको कप्तान विराट कोहली सहित उनके साथियों के बीच उच्च दर्जा दिया गया है, जिन्होंने पहले उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर कहा था. हालांकि, साहा का करियर दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (स्र छ्द्धश्ठद्ध) की वजह से कहीं छिप गया था. इस टेस्ट स्पेशलिस्ट को टीम इंडिया में खेलने के लिए काफी इंतजार भी करना पड़ा. जब भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, उसके बाद ऋद्धिमान साहा को टेस्ट में अपनी नियमित जगह बनाने का मौका मिला. ऋद्धिमान साहा ने 2019 में टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें अपना दूसरा टेस्ट खेलने के लिए अगले दो साल तक इंतजार करना पड़ा था. धोनी 2014 में टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हुए थे. इसके बाद ही साहा विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के नियमित विकेटकीपर बन पाए. साहा ने हाल ही में धोनी के युग में खेलने पर खुलकर बात की और कहा कि हर कोई जानता था कि भारत के पूर्व कप्तान देश के लिए हर खेल खेलेंगे, जब तक वह खेल रहे हैं।

विराट कोहली की जगह इस युवा खिलाड़ी को भविष्य का कप्तान मानते हैं सलमान बट

ऋद्धिमान साहा ने क्रिकेटर को दिए एक इंटरव्यू में कहा,जब माही भाई टीम में थे तो सबको पता था कि हर मैच माही भाई खेलने वाले हैं. लेकिन मैं भी हर मौके को लपकने के लिए तैयार था उन्होंने कहा, मेरा टेस्ट डेब्यू भी कुछ ऐसी ही परिस्थितियों में हुआ था. यह 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था. मैंने खुद से कहा था कि मैं आज नहीं खेल रहा हूं लेकिन अचानक मुझे खेलना पड़ा।

रेसलर सुशील की मुश्किलें बढ़ीं

सागर मर्डर केस में पुलिस ने बवाना और काला-आसोदा गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने छत्रसाल स्टेडियम में हुए रेसलर सागर मर्डर केस में आरोपी सुशील कुमार के 4 और साथियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी हरियाणा के रहने वाले हैं और सागर को मारने के लिए यह बहुदरगढ़ के आसोदा गांव से दिल्ली आए थे। यह चारों आरोपी नीरज बवाना गैंग और काला-आसोदा गैंग के सदस्य हैं। अब तक मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। चारों आरोपियों ने पुलिस के सामने घटना वाली रात सुशील के साथ स्टेडियम में होने की बात भी स्वीकार कर ली है। सुशील और उसके साथियों पर 4 मई की देर रात 23 साल के जूनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियन सागर और कुछ दोस्तों को किडनैप करने और उसे स्टेडियम लाकर बुरी तरह से पीटने का आरोप है। सागर ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल: कपिल देव बोले- एक टेस्ट के आधार पर विजेता का फैसला सही नहीं

तीन टेस्ट होना चाहिए, भारत की जीत में बल्लेबाजी का रहेगा अहम रोल

मुंबई। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने कहा है कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के विजेता का फैसला एक टेस्ट के बजाय तीन टेस्ट के आधार पर होना चाहिए था। कपिल देव की कप्तानी में ही भारत ने 1983 में पहला वनडे वर्ल्डकप जीता था। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत की बेहतर बल्लेबाजी ही उसे विजेता बना सकती है।

पहली बार हो रहा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 18 से 22 जून के बीच साउथैम्पटन में खेला जाएगा। फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड की टीम आपस में भिड़ेंगी। पूर्व कप्तान ने मिड डे से बातचीत करते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण चैंपियनशिप की विजेता का फैसला केवल एक मैच के आधार पर नहीं होना चाहिए। अगर एक

से ज्यादा मैचों के आधार पर विजेता का फैसला होता तो अच्छा होता।अभी के समय में मैचों की तैयारी करना मुश्किल नहीं है।

लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल होता तो बेहतर होता

पूर्व भारतीय कप्तान ने आगे कहा कि अगर यह फाइनल रोज़ बाउल की जगह लॉर्ड्स में खेला जाता तो बेहतर होता। लॉर्ड्स का इतिहास रहा है। मैनचेस्टर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता था, लेकिन लॉर्ड्स में विजेता कप उठाने का अलग ही मजा है। पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल लॉर्ड्स में ही खेला जाना था, लेकिन बायो-बबल की वजह से इसे रोज बाउल शिफ्ट कर दिया गया, क्योंकि स्टेडियम के नजदीक ही होटल है। ऐसे में खिलाड़ियों को ज्यादा ट्रैवल नहीं करना पड़ेगा।

एक बेटी की मां बनना चाहती हैं मलाइका अरोड़ा

सुपर डांसर चैप्टर 4 में किया खुलासा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा फिलहाल अर्जुन कपूर को डेट करने की खबरों और डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 4 में जज के तौर पर नजर आने को लेकर सुर्खियों में हैं। मलाइका को ये मौका शिल्पा शेट्टी के परिवार में कोरोना संक्रमण के मामलों के चलते मिला है। हालांकि मलाइका लाइमलाइट में आने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। हाल ही सुपर डांसर चैप्टर 4 के मंच पर एक्ट्रेस ने इच्छा जाहिर की है कि वे एक बेटी मां बनना चाहती हैं। अगर ऐसा नहीं हो पाया, तो वह बेटी गोद लेलना चाहेंगी।

बेटी की मां बनने के लिए गंभीरता से विचार

47 साल की मलाइका अरोड़ा इस उम्र में भी युवा एक्ट्रेसेस को टक्कर देती नजर आती हैं। मलाइका कई वर्षों तक अरबाज खान की पत्नी के रूप में रहीं। पिछले कुछ सालों से दोनों अलग हो गए हैं। दोनों के एक बेटा है जो अब 19 साल का हो चुका है। एक्ट्रेस के पास बेटा तो पहले से है ही, अब वह बेटी भी चाहती हैं। सुपर डांसर के मंच पर प्रतियोगी अंशिका राजपूत के डांस से एक्ट्रेस इतन प्रभावित हुईं कि उन्हें भी बेटी की चाह होने लगी। उन्होंने कहा कि वे अब मां बनने के लिए गंभीरता से विचार कर रही हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्हें भी एक बेटी चाहिए, क्योंकि उनके आस-पास सभी लड़के हैं। वो एक बेटे की मां हैं, लेकिन उन्हें एक बेटी चाहिए, जिसके साथ वह अपना मेकअप, शूज और कपड़े शेयर कर सकें।

जैकलीन फर्नांडीज की मदद से खुश मुंबई पुलिस, ट्वीट कर किया शुक्रिया अदा

नई दिल्ली। इस वक्त देश कोरोनावायरस के सकंट से लड़ रहा है। कोरोना के चलते देश की हालत बद से बदतर हो गई है। ऐसे में मदद के लिए बॉलीवुड सेलेब्स भी आगे आ रहे हैं। सेलेब्स महामारी से पीड़ित लोगों की ही नहीं बल्कि फ्रंटलाइन वर्कर्स की भी मदद कर रहे हैं। इस लिस्ट में अब एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज का भी नाम शामिल हो चुका है। हाल ही में जैकलीन ने एक ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने मुंबई पुलिस का शुक्रिया अदा किया है।

जैकलीन फर्नांडीज ने किया मुंबई पुलिस का धन्यवाद

कुछ समय पहले ही एक्ट्रेस जैकलीन ने एक ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने मुंबई पुलिस द्वारा किए गए तमाम कामों के लिए उनका धन्यवाद किया है। एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल ट्वीट अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा है कि वह मुंबई पुलिस को सलाम करती हैं और अपना कर्तव्य को यूं निभाते रहे। फिर चाहे बारिश आए, तूफान आए। जैकलीन ने आगे लिखती हैं कि वह मुंबई पुलिस का हर उस चीज़ के लिए धन्यवाद करती हैं। जो वह उनके लिए करते हैं। आपको बता दें एक्ट्रेस मुंबई पुलिस में रेनकोट भी बांटे हैं। जैकलीन के साथ-साथ मुंबई पुलिस बन ने भी जैकलीन को उनके योगदान के लिए उनका धन्यवाद कहा है। मुंबई पुलिस बल ने ट्वीट करते हुए कहा है कि जैसे-जैसे जून पास आ रहा है। मुंबई मानसून के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

अल्लू अर्जुन ने 15 दिनों बाद दी कोरोना वायरस को मात

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से देश में हालात बेकाबू हैं। रोजाना लाखों लोग इस वायरस की चपेट में आ रहे हैं। साथ ही, हजारों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। कोविड की दूसरी लहर में आम से लेकर खास हर कोई इसका शिकार हो रहा है। फिल्म स्टार्स भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। लेकिन कई ने कोविड को मात दी। इसमें साउथ फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का नाम भी शामिल हैं। उन्होंने कोरोना को 15 दिन बाद हरा दिया है। अब वह पूरी तरह स्वस्थ्य हैं।

लॉकडाउन से मिलेगी मदद

अल्लू अर्जुन ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, 15 दिनों के क्वारंटाइन के बाद मेरा टेस्ट नेगेटिव आ गया है।

9 साल की डेटिंग के बाद खत्म हो गया था

नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर्स के बीच रिश्ते बनते और बिगड़ते हैं। लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जिनके टूटने के बारे में किसी ने नहीं सोचा होता है। ऐसा ही कुछ हुआ बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु के रिश्ते के साथ। दोनों 9 सालों तक रिलेशनशिप में थे। दोनों के बीच प्यार को देखते हुए लग रहा था किसी भी वक्त वो शादी कर सकते हैं। लेकिन हुआ इसके बिल्कुल उलट। अचानक दोनों का रिश्ता खत्म हो गया और दोनों के रास्ते हमेशा के लिए अलग हो गए।

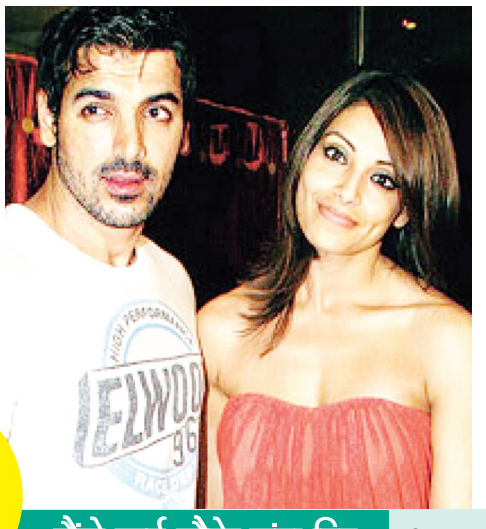

जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु का रिश्ता

बिपाशा ने बताई सच्चाई

बिपाशा बसु से ब्रेकअप होने के बाद जॉन ने कई मौकों पर कहा कि उनके बीच आपसी सहमति से ब्रेकअप हुआ है। लेकिन बिपाशा ने ब्रेकअप की कुछ और सच्चाई बताई। एक इंटरव्यू में बिपाशा ने बताया था कि हमारा ब्रेकअप आपसी सहमति से नहीं हुआ था। कोई भी ब्रेकअप ऐसे दोस्ताना तरीके से नहीं होता वरना कभी ब्रेकअप हो ही ना।

ट्वीट के कारण टूटा रिश्ता

कहा जाता है कि जॉन अब्राहम के एक ट्वीट से उनका और बिपाशा का रिश्ता खत्म हो गया था। दरअसल, साल 2014 में जॉन अब्राहम ने नए साल के मौके पर अपने फैन्स को बधाई देते हुए एक ट्वीट लिखा था। इस ट्वीट में उन्होंने प्रिया का नाम भी लिख दिया, जिसके बाद उनके और प्रिया के रिश्ते का खुलासा हो गया। जॉन ने लिखा था, 'इस साल आपकी जिंदगी में भी प्यार और खुशियां आएं, लव जॉन और प्रिया।' कहा जाता है कि जॉन ने यह ट्वीट गलती से किया था। वहीं, ऐसी खबरें थीं कि बिपाशा बसु को जॉन के इस रिश्ते के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

मैंने कई मौके गंवा दिए

बिपाशा बसु ने आगे कहा, मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मुझे अकेले छोड़ दिया गया। अब जब मैं बीते दिनों के बारे में सोचती हूं तो मुझे लगता है कि मैं कितनी मूर्ख थी। मैंने कई मौके गंवा दिए क्योंकि मैं मैं एक व्यक्ति के पीछे मजबूत पिलर की तरह खड़ी रहना चाहती थी। मैं अपने रिश्ते को वक्त दे रही थी लेकिन मुझे बाद में समझ आया कि जिन चीजों में अपना समय लगा रही थी वो सब अचानक खत्म हो चुकी हैं। बिपाशा ने बताया कि उन्होंने जॉन के लिए लोगों से मिलना-जुलना छोड़ दिया था। ब्रेकअप के बाद उन्हें सदमे से निकलने में काफी वक्त लग गया था।

एस एस राजामौली की अपकमिंग मूवी आरआरआर के राइट्स बिके 325 करोड़ रुपए में!

मुंबई। बाहुबली और बाहुबली 2 से अपनी क्षमता का लोहा मनवा चुके एस एस राजामौली की अगली फिल्म आरआरआर ने रिलीज से पहले ही मोटा पैसा कमाना शुरू कर दिया है। भरोसेमंद राजामौली की आरआरआर के राइट्स की डील करोड़ों में हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के सभी भाषाओं के डिजीटल, सैटेलाइट राइट्स 325 करोड़ रुपए में बेचे गए हैं। ये राइट्स जी ग्रुप ने खरीदे हैं। इस हिसाब से यह मूवी रिलीज से पहले सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाली मूवीज में से एक हो गई है।

800 करोड़ तक पहुंच सकती है आय

पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, आरआरआर के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स निर्माता जयंतीलाल गढ़ा के पास थे। इसमें तेलुगु, तमिल, कन्नड़ मलयालम और हिन्दी भाषा के फिल्म के संस्करण शामिल थे। हिन्दी के थियेरेटिकल राइट्स ही 140 करोड़ रुपए के थे। कुल मिलाकर सभी तरह के राइट्स की ये डील उन्हें 475 करोड़ रुपए की पड़ी थी। अब राइट्स जयंतीलाल ने जी समूह को स्थानांतरित कर दिए हैं। बताया जाता है कि अब तक थियेटर, डिजिटल, सैटेलाइट और म्यूजिक व अन्य को मिलाकर करीब 450 करोड़ रुपए के राइट्स बेचे जा चुके हैं।

यात्रियों को बड़ी राहत: एयर इंडिया के यात्री 30 जून तक फ्री में बदल सकते हैं यात्रा का शेड्यूल

मुंबई। कोरोना महामारी की वापसी से देश के कई राज्यों में आंशिक लॉकडाउन लगा। इसके तहत कई हिस्सों में आवाजाही भी बुरी तरह प्रभावित हुई। इस बीच सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया (द्गद्ध द्बठ्ठस्रद्बड्ड) ने अपने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। एयर इंडिया के यात्रियों को देश के किसी भी हिस्से में जाने के लिए वे बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के यात्रा की तारीख, फ्लाइट नंबर और सेक्टर में बदलाव कर सकेंगे। हालांकि, यह ऑफर 30 जून 2021 तक की यात्रा के लिए उपलब्ध है। इसके तहत टिकट डेट में एक बार ही बदलाव कर सकेंगे। एयर इंडिया ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी।

एयर इंडिया के टिकट में बदलाव को लेकर कुछ शर्तें हैं...

यह ऑफर घरेलू यात्रा के साथ जारी सभी 98 डॉक्यूमेंट्स पर लागू हैं। लेकिन एयर इंडिया की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर जारी टिकटों पर यह ऑफर लागू नहीं है, क्योंकि इन पर फ्री चेंज का ऑप्शन पहले से ही पेश किया जा चुका है। एयर इंडिया के यात्री अपने मौजूदा टिकटों की वैलिडिटी के मुताबिक नई तारीखों के लिए फिर से बुकिंग भी कर सकते हैं। यही नहीं टिकट किस दिन खरीदा गया है, इसका भी फ्री चेंज ऑप्शन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यात्रियों के लिए कई प्रकार की सुविधा

अगर किसी पैसेंजर को सेक्टर में बदलाव करने का मन है, तो एक बार फिर से टिकट जारी करने का शुल्क माफ किया जाएगा। हालांकि, अन्य चार्जों का भुगतान करना पड़ेगा। जो यात्री इससे पहले भी फ्री चेंज ऑफर का लाभ ले चुके हैं, वे एक बार फिर इसका फायदा उठा सकते हैं। लेकिन इस बार केवल ऑफर वन टाइम के लिए ही है। एक बात और है कि यदि पहले वाली टिकट आपने इकोनॉमी क्लास की ली थी, लेकिन 25 जून को इकोनॉमी क्लास के बजाय बिजनेस क्लास में है। ऐसी स्थिति में आपको टिकट के खर्च में आने वाला ज्यादा रकम का पेमेंट करना होगा। वहीं, अगर एक ही प्रकार के बुकिंग क्लास में टिकट उपलब्ध है, लेकिन टैक्स में डिफरेंस है तो यह आपको ही चुकाना होगा।

पंजाब एंड सिंध बैंक को चौथी तिमाही में 161 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। पंजाब एंड सिंध बैंक को मार्च 2021 में समाप्त हुई तिमाही में 160.79 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हुआ। सरकारी बैंक ने शनिवार को नियामकीय सूचना में बताया कि उसे वित्तीय वर्ष 2019-20 की जनवरी-मार्च तिमाही में 236.30 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। वित्तीय वर्ष 2020-21 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में भी उसे 2,375.53 करोड़ रुपए का भारी भरकम शुद्ध घाटा हुआ था। पूरे वित्तीय वर्ष 2020-21 में बैंक को 2,732.90 करोड़ का शुद्ध घाटा हुआ जो वित्तीय वर्ष 2019-20 में हुए 990.80 करोड़ रुपए के शुद्ध घाटे से कहीं ज्यादा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में बैंक की कुल आय वित्तीय वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही के 8,826.92 करोड़ रुपए से 10.7 प्रतिशत गिरकर 7,876.72 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की गैर निष्पादित संपत्तियां (एनपीए) मार्च 2021 तिमाही में 13.76 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी रही। मार्च 2020 तिमाही में एनपीए का स्तर 14.18 प्रतिशत था।

हीरो मोटोकॉर्प 24 मई से उत्पादन फिर से शुरू करेगी

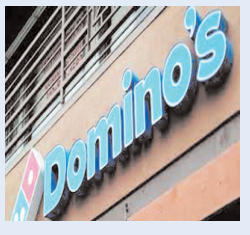

नई दिल्ली। प्रमुख दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने शनिवार को कहा कि वह सोमवार से भारत में अपने सभी विनिर्माण संयंत्रों में उत्पादन फिर से शुरू करेगी। कोरोना वायरस महामारी की वजह से इन कारखानों में विनिर्माण कार्य अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, कंपनी ने हरियाणा के गुरुग्राम और धारूहेड़ा और उत्तराखंड के हरिद्वार में अपने तीन संयंत्रों में काम आंशिक फिर से शुरू किया था। इसने 22 अप्रैल से 2 मई के बीच अलग अलग चार दिन भारत में अपने सभी छहो संयंत्रों में अस्थायी रूप से परिचालन बंद रखा था। बाद में इस बंद की अवधि को 16 मई तक बढ़ा दिया गया था। कंपनी ने एक बयान में कहा, हीरो मोटोकॉर्प 'भारत में अपने सभी विनिर्माण संयंत्रों में सोमवार, 24 मई से उत्पादन धीरे-धीरे फिर से शुरू करने की ओर अग्रसर है। भारत में हीरो मोटोकॉर्प के अन्य तीन संयंत्र - राजस्थान के नीमराना, गुजरात के हलोल और आंध्र प्रदेश के चित्तूर में हैं। वहां भी 24 मई से एक शिफ्ट में परिचालन शुरू होगा। हरियाणा के गुरुग्राम और धारूहेड़ा और उत्तराखंड के हरिद्वार में 17 मई से इसके तीन संयंत्रों में एकल पाली में काम शुरू हो चुका है। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि नीमराना में ग्लोबल पार्ट्स सेंटर (जीपीसी) भी 24 मई से चालू हो जाएगा।

हैकर्स ने डोमिनोज के ग्राहकों का आंकड़ा लीक किया, कंपनी ने कहा वित्तीय सूचना सुरक्षित

नई दिल्ली। पिज्जा ब्रांड डोमिनोज के उपभोक्ताओं से जुड़ी सूचना एक हैकर ने कथित रूप से लीक कर दी है। एक साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने यह सूचना साझा की। कंपनी ने सूचना लीक होने की बात स्वीकार की है, लेकिन बताया है कि उपभोक्ताओं की वित्तीय जानकारी सुरक्षित हैं। साइबर सुरक्षा अध्ययनकर्ता राजशेखर राजहरिया के मुताबिक, हैकर द्वारा विकसित किए गए पोर्टल का उपयोग कर हे लोग उसका उपयोग उपभोक्ताओं की जासूसी करने, उनके लोकेशन, ऑर्डर की तारीख और वक्त का पता लगाने के लिए कर रहे हैं। राजहरिया ने ट्वीट किया, ''डोमिनोज इंडिया के 18 करोड़ उपभोक्ताओं की सूचना सार्वजनिक कर दी गई है। हैकर ने डार्क वेब पर एक सर्च इंजन बनाया है।

सोना 796 रुपए महंगा होकर 48,553 पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोना-चांदी फिर महंगे होने लगे हैं। इस हफ्ते में ही सोना 796 रुपए महंगा होकर 48,553 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले हफ्ते 14 मई को सोना 47,757 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं अगर चांदी की बात करें तो ये 885 रुपए महंगी होकर 71,245 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस महीने अब तक सोना 1,762 और चांदी 3,445 रुपए महंगी हुई मई महीने में अब तक ही सोना 1,762 रुपए महंगा हुआ है। 30 अप्रैल को सोना 46,791 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो ब 48,553 रुपए पर है। वहीं चांदी की बात करें तो 30 अप्रैल को ये 67,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी जो अब 71,245 रुपए पर पहुंच गई है। यानी 22 दिनों में ही ये 3,445 रुपए महंगी हुई है। इससे पहले अप्रैल महीने में सोना 2,601 और चांदी 4,938 रुपए महंगी हुई थी। आने वाले 2 से 3 महीनों में 53 हजार तक पहुंच सकता है सोना आइआइएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कोरोना की दूसरी लहर में सोने में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। उनके अनुसार आने वाले 2-3 महीनों यानी इस रक्षाबंधन सोना 53 हजार और दिवाली तक ये 55 हजार तक जा सकता है। वाणिज्य मंत्रालय के ताजा डाटा के मुताबिक, अप्रैल में 6.3 बिलियन डॉलर करीब 46 हजार करोड़ रुपए के सोने का आयात हुआ है। एक साल पहले समान अवधि में केवल 2.82 मिलियन डॉलर करीब 21.61 करोड़ रुपए के गोल्ड का इंपोर्ट हुआ था। इससे पहले मार्च 2021 में जो 98.6 टन सोना आयात किया गया इसकी कीमत 63 हजार करोड़ रुपए थी। कोरोना के कारण दुनियाभर में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। इसके शेयर बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होत रहा है। माना जाता है कि इस दौरान निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर सोने में निवेश करते हैं। इससे भी सोने के दाम बढ़ने लगते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर कमजोर हो रहा है। इतना ही नहीं रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है। इससे भी सोने को सपोर्ट मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। सोने की कीमत 1,835 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार निकल गया है। 1 अप्रैल को सोना 1,730 अमेरिकी डॉलर पर था।

2021 के अंत तक भारत में 35 प्रतिशत से भी कम लोगों का हो पाएगा टीकाकरण

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भारत में कोविड-19 की विनाशकारी दूसरी लहर को आगे आने वाले समय में और बुरे संकट का संकेत बताया है और कहा है कि इस देश के हालात उन गरीब और मध्य आय वाले देशों में के लिए चेतावनी हैं जो अभी तक इस महामारी से बचे हैं। आईएमएफ के अर्थशास्त्री रुचिर अग्रवाल और संगठन की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ द्वारा लिखी गई एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्तमान गति से भारत में 2021 की समाप्ति तक 35 प्रतिशत से कम लोगों को ही टीका लगने की उम्मीद है। शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया, ब्राजील के बाद कोविड19 की भारत में जारी विध्वंसक दूसरी लहर इस बात का संकेत है कि विकासशील देशों में आगे और भी बुरी स्थिति आ सकती है। इसमें कहा गया कि जहां कोविड की पहली लहर से निपटने में भारत की स्वास्थ्य प्रणाली काफी हद तक सफल रही, इस बार स्वास्थ्य प्रणाली पर इतना बोझ पड़ा है कि लोग ऑक्सीजन, अस्पताल के बिस्तर और चिकित्सीय सेवा जैसी चिकित्सीय आपूर्तियों की कमी से मर रहे हैं।

कोका-कोला और पेप्सी जैसी सॉफ्टड्रिंक कंपनियों पर कोरोना की मार!

नई दिल्ली। पेप्सी और कोका-कोला जैसी प्रमुख सॉफ्टड्रिंक कंपनियों की आय के वित्त वर्ष 2021-22 में महामारी से पहले के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद कम है। इसकी वजह है कि कोविड-19 की दूसरी लहर खपत को प्रभावित करेगी। क्रिसिल रेटिंग की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2020-21 में गर्मियों के मौसम में लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के चलते आय करीब 20 प्रतिशत घटी थी और आय वित्त वर्ष 2021-22 में भी महामारी से पहले के स्तर के मुकाबले 10 प्रतिशत कम रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि गैर-मादक पेय उद्योग में पेप्सी और कोका-कोला जैसी अमेरिकी कंपनियों का दबदबा बरकरार है, जिसकी कुल बाजार हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। एजेंसी ने कहा, ''पिछले वित्त वर्ष के दौरान एक सख्त देशव्यापी लॉकडाउन और उसके बाद अप्रैल-सितंबर में सीमित प्रतिबंधों ने व्यस्त सत्र की मांग को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

राज्य स्तरीय लॉकडाउन और प्रतिबंध बिक्री को कर रहे प्रभावित

क्रिसिल रेटिंग के निदेशक नितेश जैन ने कहा कि महामारी की दूसरी लहर को रोकने के लिए स्थानीय लॉकडाउन और अन्य प्रतिबंधों के कारण एक बार फिर व्यस्त सत्र में बिक्री पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि होटल, रेस्टोरेंट और कैफे जैसे स्थानों पर पेय पदार्थों की खपत कुल बिक्री का एक चौथाई हिस्सा है, जो पहली तिमाही में प्रभावित होगी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)